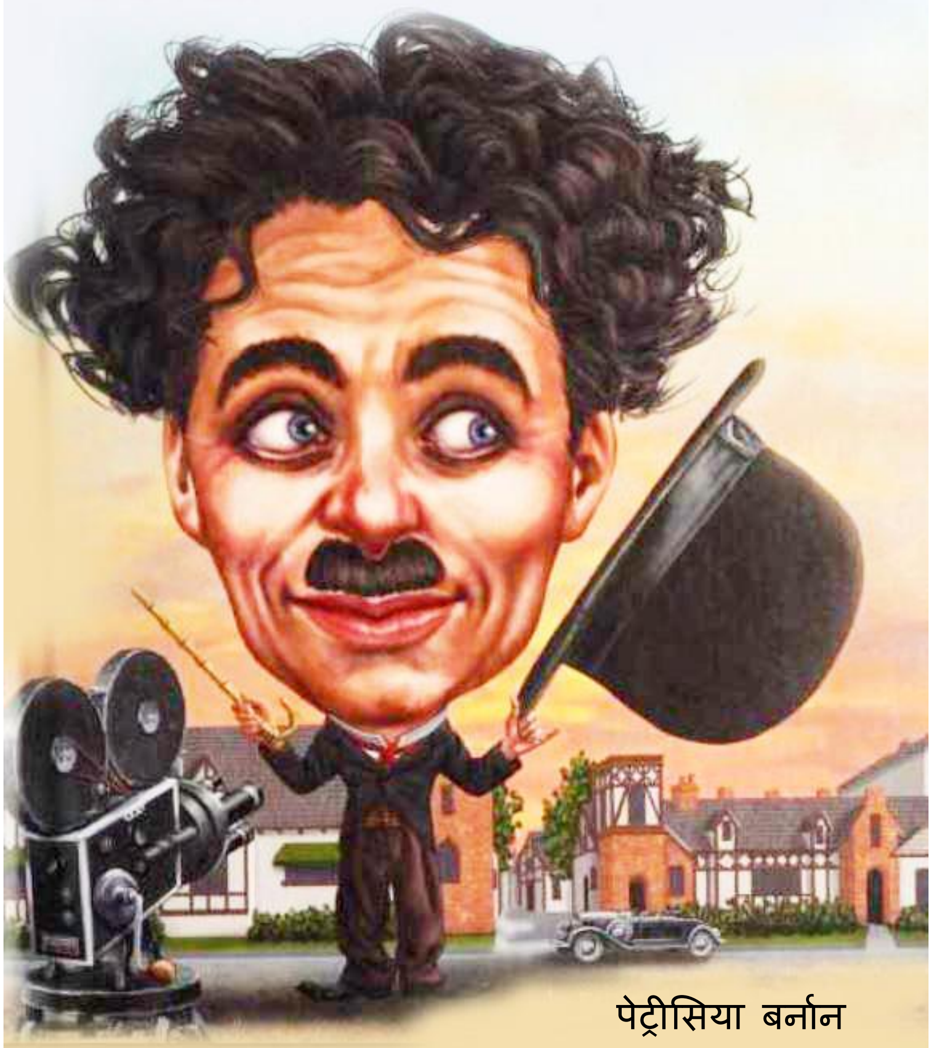
चार्ली चैपलिन कौन थे?



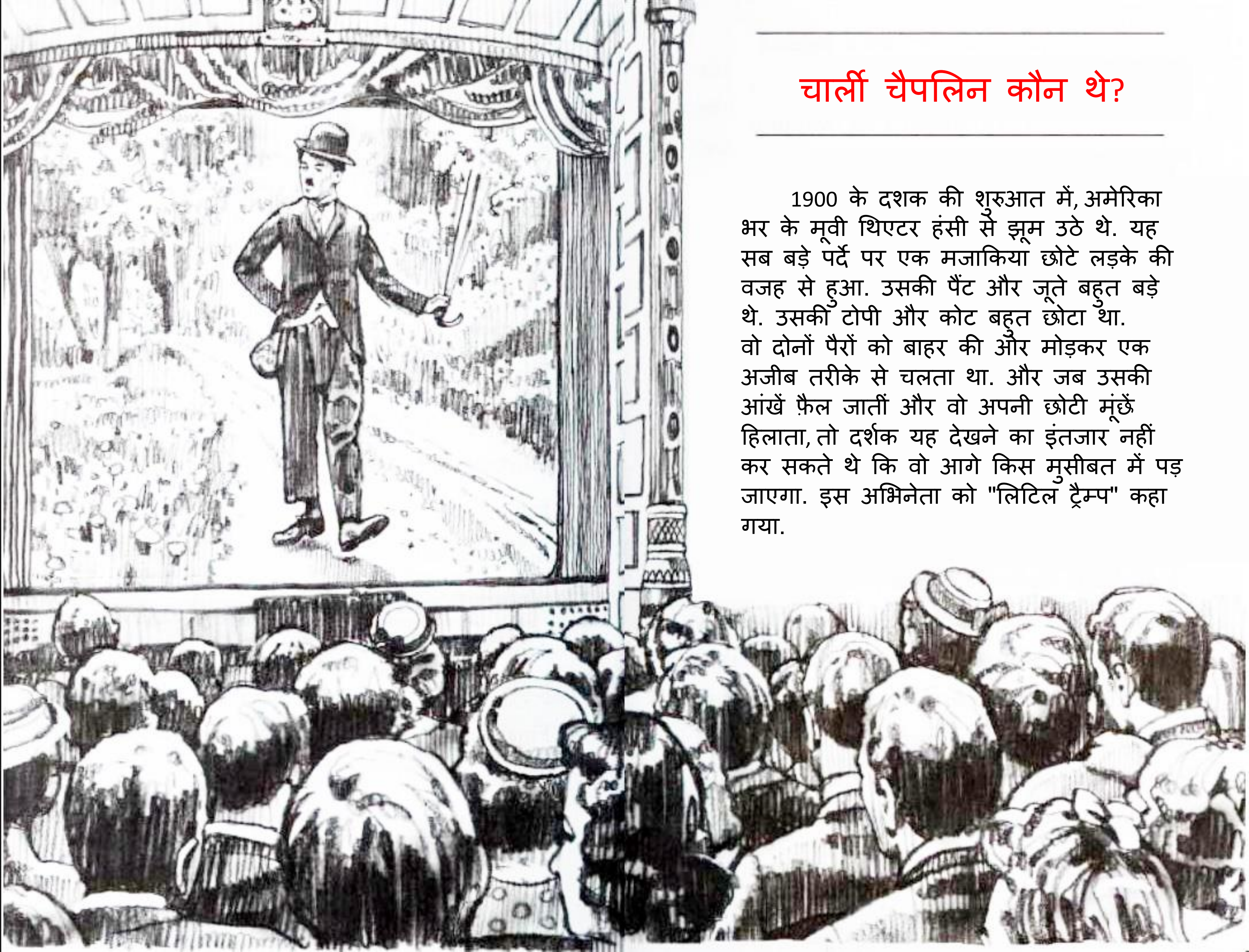
पेट्रीसिया बर्नान

चार्ली चैपलिन कौन थे?



पेट्रीसिया बर्नान

विषयवस्तु



चार्ली चैपलिन कौन थे?

1900 के दशक की शुरुआत में, अमेरिका भर के मूवी थिएटर हंसी से झूम उठे थे. यह सब बड़े पर्दे पर एक मजाकिया छोटे लड़के की वजह से हुआ. उसकी पैंट और जूते बहुत बड़े थे. उसकी टोपी और कोट बहुत छोटा था. वो दोनों पैरों को बाहर की ओर मोड़कर एक अजीब तरीके से चलता था. और जब उसकी आंखें फ़ैल जातीं और वो अपनी छोटी मूंछें हिलाता, तो दर्शक यह देखने का इंतजार नहीं कर सकते थे कि वो आगे किस मुसीबत में पड़ जाएगा. इस अभिनेता को "लिटिल ट्रैम्प" कहा गया.

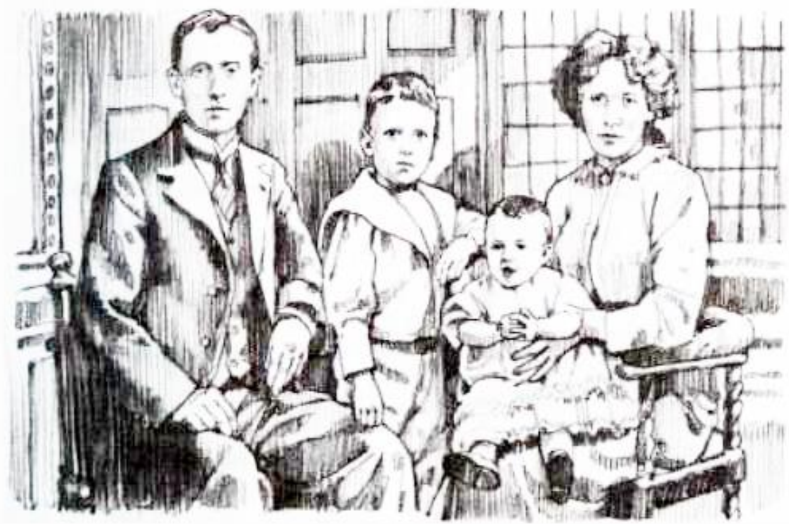
उन मूंछों के पीछे अभिनेता चार्ली चैपलिन थे. उन्होंने "लिटिल ट्रैम्प" का आविष्कार किया. चार्ली ने अपनी खुद की फिल्में लिखी, अभिनय किया और उन्हें निर्देशित किया. "लिटिल ट्रैम्प" हमेशा गरीबी में रहता और बेरोज़गार होता था. लेकिन चार्ली खुद दुनिया में सबसे अधिक फीस पाने वाले अभिनेता थे - और सबसे प्रसिद्ध भी. उन्होंने स्क्रीन पर एक शब्द कहे बिना वो सब कुछ मैनेज किया.

वो मूक फिल्मों का जमाना था. तब परदे से कोई आवाज नहीं आती थी. आविष्कारकों ने अभी तक फिल्मों के लिए ध्वनि रिकॉर्ड करने का तरीका नहीं खोजा था. उसकी बजाय, अभिनेता, इशारों और चेहरे के हाव भावों का इस्तेमाल करके ही कहानी सुनाते थे. इसमें चार्ली चैपलिन से बेहतर कोई और नहीं था.

हालांकि उनकी "रील लाइफ" हास्य से भरपूर थी, लेकिन चार्ली की असल जिंदगी ऐसी नहीं थी. उनका लंदन में बीता गरीब बचपन, दिल तोड़ने वाला था. उनके पिता ने परिवार छोड़ दिया था. और उनकी माँ मानसिक रूप से टूटने के कारण अपने बच्चों की ठीक से देखभाल नहीं कर सकीं थीं. फिर भी इतिहास चार्ली को मुस्कान के साथ याद करता है. वो फिल्म में अग्रणी अभिनेता थे जिन्होंने अमेरिका और दुनिया में लोगों को गुदगुदाया और हंसाया.

अध्याय 1

गरीबी



अमेरिका वो जगह थी जहां चार्ली प्रसिद्ध हुए. लेकिन इंग्लैंड उनका पहला घर था. चार्ल्स स्पेंसर चैपलिन का जन्म 16 अप्रैल, 1889 को लंदन में हुआ था. उसका सौतेला भाई, सिडनी, उनसे चार साल बड़ा था.

यह आश्चर्य की बात नहीं है कि चार्ली बड़ा होकर एक अभिनेता बना - उसके माता-पिता दोनों ही मनोरंजन के क्षेत्र में थे.

वो अंग्रेजी संगीतग्रहों में प्रदर्शन करते थे - जहाँ वे थिएटर, गीतों और नृत्यों के साथ-साथ कॉमेडी शो का मंचन करते थे. चार्ली के पिता एक सफल अभिनेता और गीतकार थे. उनकी मां एक गायिका थीं.

चार्ल्स चैपलिन सीनियर सहज और आकर्षक थे, लेकिन उन्हें शराब पीने की बुरी लत थी. इसलिए कोई भी उन पर ज्यादा देर तक भरोसा नहीं करता था. जब चार्ली सिर्फ एक साल का था, तब उसके पिता ने अपने गाने पैक किए और वो घर छोड़कर चले गए.

चार्ल्स की मां, हन्ना ने अपने दम पर वो सब कुछ किया जो उनके लिए करना संभव था. वो छोटी और नाज़ुक थीं, उनके बाल इतने लंबे थे कि वो खुद उन पर बैठ सकती थीं. हालाँकि उन्होंने अपने कठिन जीवन को बड़ी हिम्मत से जिया. नौकरियां आईं और गईं, पर पैसे की हमेशा तंगी रही.



हन्ना चैपलिन

संगीत हॉल

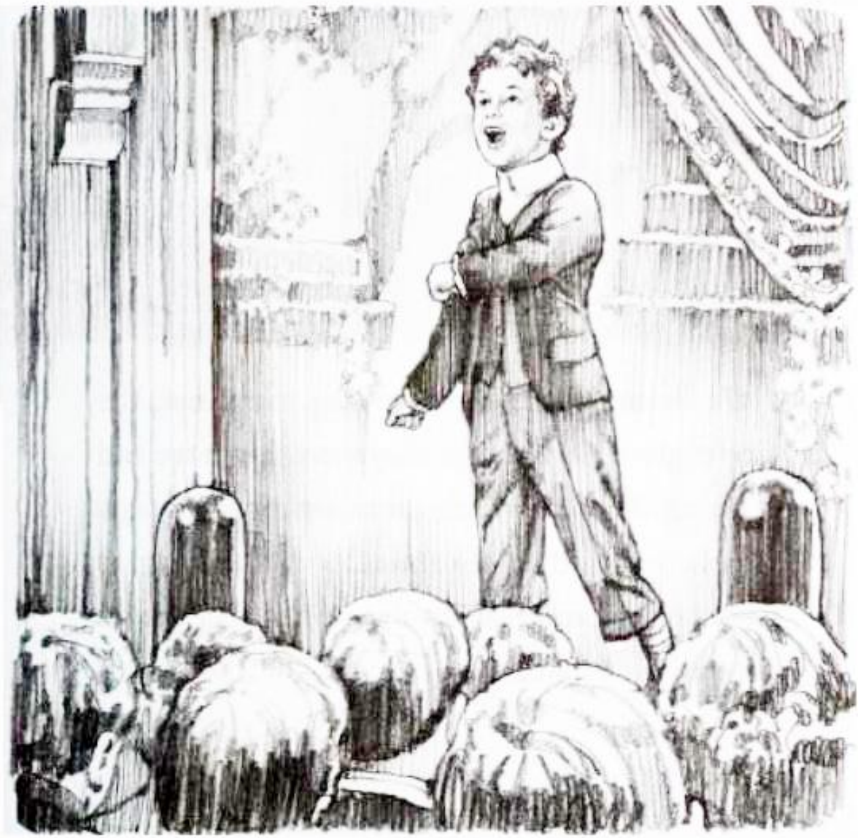


संगीत हॉल विभिन्न प्रकार के शानदार प्रदर्शनों के लाइव शो की मेजबानी करते थे. वहां कलाबाज हवा में उड़ते. वेंट्रिलोक्विस्ट किसी डमी के माध्यम से बात करते थे. गायक और नर्तक प्रस्तुति देते थे. वहाँ हाई वायर वॉकर, एनिमल ट्रेनर और प्लेट स्पिनर अपने करतब दिखाते थे. उन सभी शो में सबसे लोकप्रिय कॉमेडी एक्ट थे.

अमेरिका में, संगीत हॉल को वाडेविल थिएटर के रूप में जाना जाता था. वाडेविल सबसे लोकप्रिय 1900 के शुरुआत के दिनों में थे. एक बार जब फिल्में लोकप्रिय हो गईं, तो संगीत हॉल और वाडेविल धीरे-धीरे इतिहास में फीके पड़ गए.



एक रात, हन्ना का गायन करियर अचानक समाप्त हो गया. एक गाने के बीच उनकी आवाज अचानक फट गई. भीड़ ने चिल्लाकर हन्ना को मंच से बाहर कर दिया. पर चतुर प्रबंधक ने हन्ना की जगह पर तुरंत नन्हे चार्ली को मंच पर धकेल दिया! चार्ली सिर्फ पाँच साल का था, लेकिन वो सालों से मंच के पीछे से देख रहा था. उसे सभी गाने मुंहज़ुबानी याद थे.



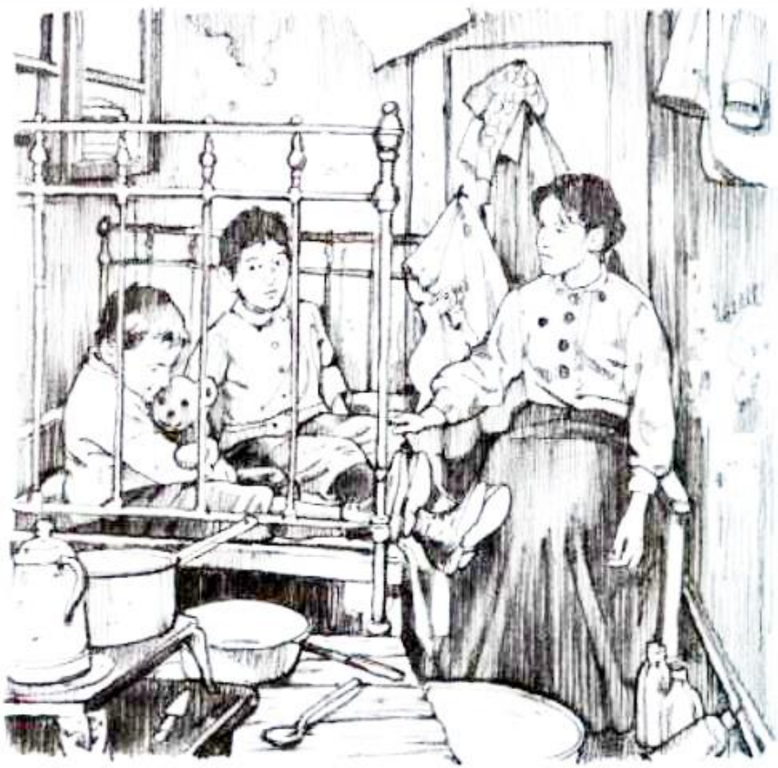
फिर भी चार्ली का नन्हा सा घर कुछ समय के लिए खुश था. जैसे ही चार्ली खड़ा हुआ वैसे ही हन्ना ने उसे नृत्य करना सिखाया. अपने बेटे का मनोरंजन करने के लिए, हन्ना अपने सूटकेस से वेशभूषा और विग खींचती थी और उन नाटकों में अभिनय करती थीं जो उन्हें मुंहज़ुबानी याद थे.



जैसे ही छोटे लड़के ने गाना और नाचना शुरू किया, भीड़ एकदम चुप हो गई. जल्द ही दर्शक हँस रहे थे और उसकी जय-जयकार कर रहे थे. फिर उन्होंने मंच पर पैसे फेंके. चार्ली, गाने के बीच में ही रुक गया और पैसे इकट्ठे करने लगा. वो देखकर भीड़ और भी जोर से हंस पड़ी.

चार्ली एकदम हिट हुआ. हालांकि, हन्ना का करियर खत्म हो गया था और उन्होंने दुबारा फिर कभी नहीं गाया. "उस रात मंच पर मेरा पहला शो था," चार्ली ने बाद में लिखा, "और मेरी माँ का अंतिम शो था."

परिवार गरीबी की गहराई में डूबने लगा. हन्ना ने सिलाई करके थोड़े पैसे कमाए, लेकिन वे बिलों का भुगतान करने के लिए पर्याप्त नहीं थे. हन्ना ने अपने बेटों के लिए कपड़े बनाने के लिए अपनी पुरानी वेशभूषाओं को काटकर सिला. किराए के पैसे न भर पाने के कारण चैपलिन परिवार को बार-बार घर बदलने के लिए मजबूर होना पड़ता था. शुरू में वो तीन कमरे के अपार्टमेंट में रहते थे. फिर वे दो कमरों वाले घर में चले गए. अंत में, वे एक बदबूदार अचार के कारखाने के पीछे एक सिंगल कमरे में रहने लगे.



समय के साथ हन्ना बहुत कमजोर और बीमार हो गई थीं. फिर वो अपने बेटों को लेकर "वर्कहॉउस" में चली गयीं. लंदन में गरीब लोगों का यही अंतिम ठिकाना था. "वर्कहॉउस" एक तरह का अनाथालय था.

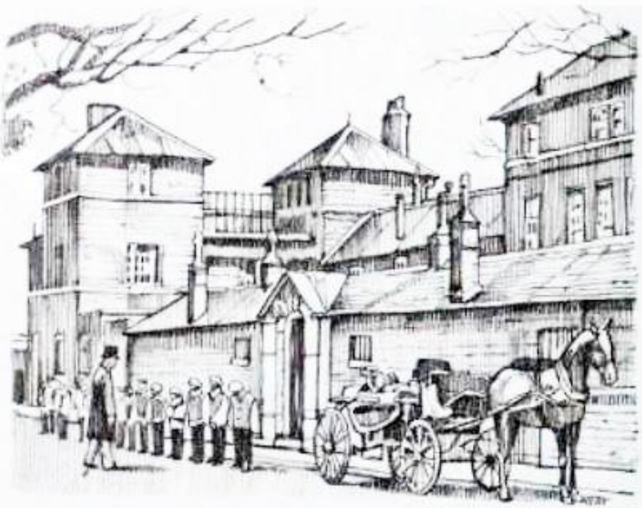
उससे छोटा परिवार बिखर गया. हन्ना को एक अस्पताल में रखा गया, जो उन बीमार लोगों के लिए था जो "वर्कहॉउस" में रहने और काम करने के लिए असमर्थ थे. चार्ली और सिडनी को बेघर बच्चों के स्कूल में ले जाया गया, जिसे "हैनवेल" कहा जाता था. चार्ली अपने बड़े भाई से कसकर चिपक गया, लेकिन सिडनी को बड़े लड़कों वाले वार्ड में रहना पड़ा. चार्ली ने बाद में कहा कि उसका बचपन उसी समय खत्म हो गया था. वो उस समय सिर्फ सात साल का था.

अनाथों के लिए "हैनवेल" स्कूल



इंग्लिश वर्कहाउस

चार्ली के बचपन के दौरान, जो गरीब लोग अपने बिलों का भुगतान नहीं कर पाते थे, उन्हें "वर्कहाउस" में भेज दिया जाता था. यदि वे सक्षम होते तो उन्हें वहाँ अपने रहने और भोजन के लिए काम करना पड़ता था. पर चैपलिन परिवार अलग हो गया था और वे दिन में केवल एक बार ही थोड़े समय के लिए ही मिल पाते थे.





सभी वर्दी पहनते थे और लंबी डारमेट्री में सोते थे, और बड़े डाइनिंग हॉल में बेंचों पर खाते थे. कोई भी "वर्कहाउस" में भर्ती नहीं होना चाहता था. फिर भी "वर्कहाउस" ने कई लोगों को सड़कों पर भूखे मरने से बचाया.

"हैनवेल" के शिक्षक सख्त थे. वे बच्चों को सजा देने के लिए एक बेंत का इस्तेमाल करते थे. एक बार चार्ली को कुछ शरारती लड़कों की शिकायत न करने के लिए बेंत से मारा गया था. बाएं हाथ से लिखने के कारण चार्ली की उलटी हथेली पर भी मारा गया. पेट में कीड़ो की वजह से जब उसका सिर मुंडाया गया तो चार्ली फूट-फूट कर रोने लगा.

दिन में सपने देखकर ही चार्ली उस स्थिति से निबट पाया. अपनी आत्मकथा में, चार्ली ने याद किया: "वैसे मैं बहुत गरीब था लेकिन मैं यह दिखावा करता था कि मैं एक बहुत अमीर और सम्मानीय व्यक्ति था."

किसी भी चीज से ज्यादा चार्ली, गरीबी से बचना चाहता था. समय के साथ-साथ, अपनी एक्टिंग की कुशलता के कारण चार्ली झुग्गी-झोपड़ियों की ज़िंदगी से निकल पाया. फिर उसे जल्द ही अपनी पहली नौकरी मिली.

अध्याय दो

स्टेज पर

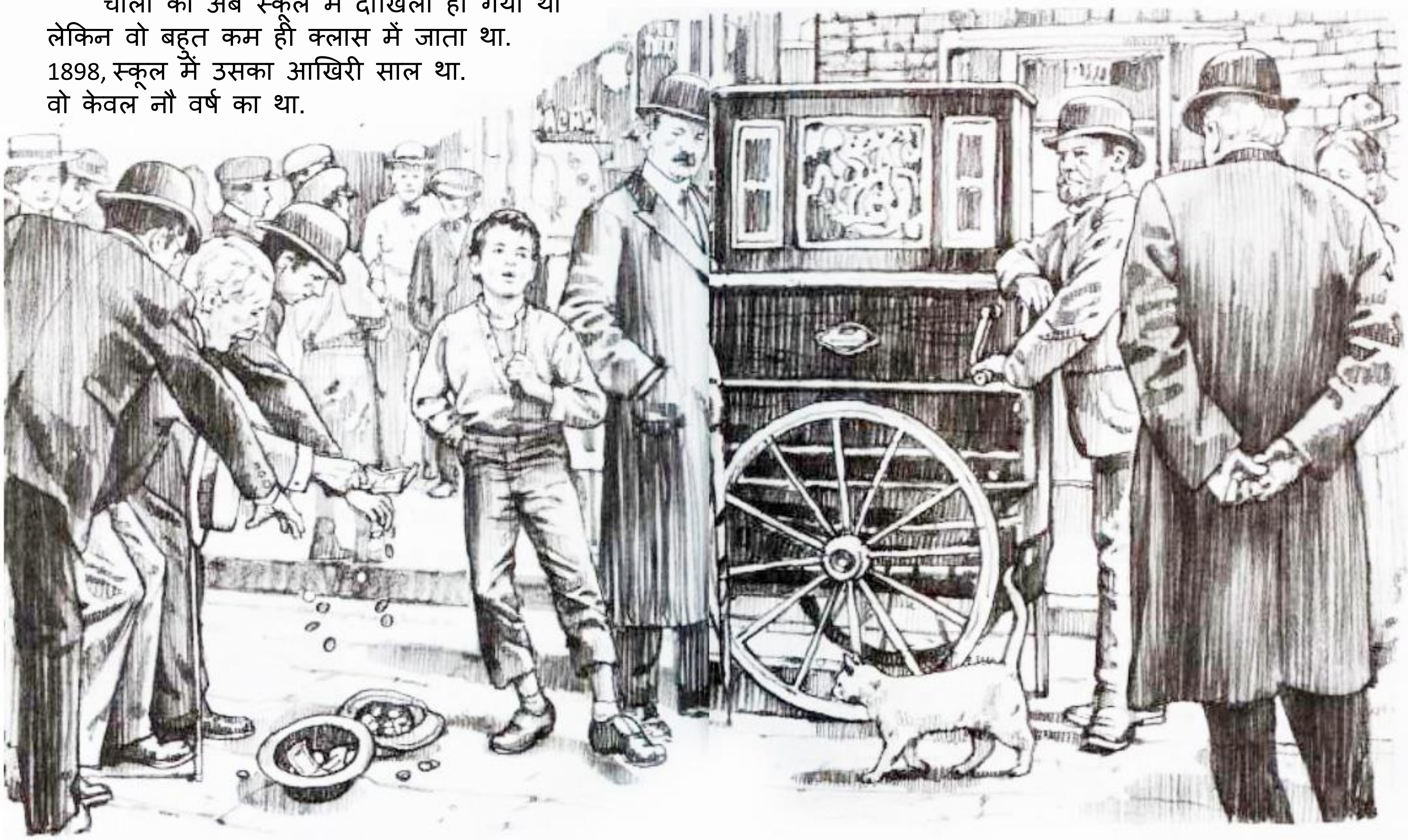
1898 के पतझड़ में, कानून ने चार्ली के पिता को पकड़ लिया और फिर उन्हें अपने बेटों को अपने साथ रखना पड़ा. आपको शायद लगे कि चार्ली को "वर्कहाउस" की तुलना में वो पसंद आया होगा. लेकिन चार्ली ने कहा कि अपने पिता के साथ दो महीने रहने की की तुलना में "वर्कहाउस" एक "लॉलीपॉप" थी. चार्ली के पिता एक ऐसी महिला के साथ रहते थे जो चार्ली और सिडनी को अपने पास बिलकुल नहीं रखना चाहती थी.
जब उनके पिता दूर होते, तो सौतेली माँ, लड़कों को घर से बाहर निकाल देती थीं. कभी-कभी चार्ली और उसके भाई को गैर लोगों के दरवाजों में दुबकना पड़ता या फिर गलियों में सोना पड़ता था.



अंत में हन्ना अस्पताल से बाहर निकली और उन्हें अपने लड़कों बचाया. उसके बाद लड़के फिर कभी अपने पिता के साथ नहीं रहे. ठीक तीन साल बाद, चार्ल्स सीनियर का अड़तीस साल की उम्र में शराब पीने से देहांत हो गया.

चार्ली का अब स्कूल में दाखिला हो गया था लेकिन वो बहुत कम ही क्लास में जाता था. 1898, स्कूल में उसका आखिरी साल था. वो केवल नौ वर्ष का था.

वो अक्सर स्कूल न जाकर कुछ पैसे कमाने की कोशिश करता था. वो अक्सर एक बैरल ऑर्गन बजाने वाले संगीतकार के लिए सड़क पर नाचता था. फिर राहगीर, कलाकार की टोपी में सिक्के फेंकते थे.



एक दोपहर के समय एक अच्छे कपड़े पहने सज्जन ने उसका नृत्य देखा. वो व्यक्ति, विलियम जैक्सन, लड़कों के एक ग्रुप का इंचार्ज था. वे लड़के लंदन के आसपास के संगीत हॉल्स में नृत्य करते थे. उन्हें "ऐट लंकाशायर बॉयज" कहा जाता था. अभी, जैक्सन के पास केवल सात लड़के थे. चार्ली में, उसे अपना आठवां लड़का मिला. हन्ना की अनुमति के बाद चार्ली ने अपना पहला असली काम शुरू किया.

चार्ली को लगा जैसे उसने जैकपॉट जीत लिया हो! लंकाशायर के चार लड़के मिस्टर और मिसेज जैक्सन के अपने बच्चे थे. लेकिन वो दयालु दंपत्ति सभी नाचने वाले लड़कों को, अपने परिवार जैसा ही मानते थे. अब चार्ली के पास रहने को एक कमरा था. खाना मुफ्त था. और वो एक डॉलर प्रति सप्ताह कमाता था, जिसे वो अपनी माँ को घर भेज देता था.

लड़कों को कड़ी मेहनत करनी पड़ती थी. "क्लॉगर" नर्तक अपनी भुजाओं से एक दूसरे को पकड़ते थे जबकि उनके पैर संगीत की ताल पर हवा में उड़ते थे.

शो की रात में, नाचने वाले लड़कों को, घोड़ागाड़ियों में भरकर एक संगीत हॉल से, दूसरे संगीत हॉल तक ले जाया जाता था.





उस नृत्य समूह के साथ दो साल बिताने के बाद, चार्ली की माँ उसे घर ले आईं. उन्हें अपना बेटा थका हुआ लगा. लेकिन चार्ली ने काम करना बंद नहीं किया. वो अक्सर अजीबो-गरीब काम करता था. उसने एक नाई की दुकान, एक डॉक्टर के ऑफिस और एक स्टेशनरी की दुकान में काम किया. वो एक प्रिंटर और एक ग्लास-ब्लोअर का सहायक भी बना. वर्षों बाद, इनमें से कई कामों की झलकी, चार्ली की फ़िल्मों में दिखाई दीं.

चार्ली को अन्य कृत्यों को भी देखना पसंद था, विशेषकर जोकरों और हास्य कलाकारों को. उन्होंने कहा, "उनके रोल मेरे युवा मस्तिष्क पर एक तस्वीर की तरह अंकित हो जाते थे."

"जब मैं घर जाता था तो मैं वो सब करने की कोशिश करता था." चार्ली ने बाजीगरी करना और एक्रोबैटिक स्टंट करना भी सीखे.



फिर भी घर में पर्याप्त पैसा नहीं था. चार्ली और उसकी माँ एक छोटे से ऊपरी मंजिल के कमरे में रहते थे. (सिडनी दूर समुद्र में था.) हन्ना का लोहे का छोटा पलंग एक कोने में पड़ा था. चार्ली एक कुर्सी पर सोता था जो एक बिस्तर के रूप में खुल जाती थी.





1903 में, चार्ली अपनी माँ की मनःस्थिति देखकर चिंतित हुआ. ऐसा लग रहा था जैसे हन्ना वास्तविकता पर अपनी पकड़ खो रही थीं. घंटों तक हन्ना बिना हिले, खिड़की से बाहर ताकती रहती थीं. घर में गंदे बर्तनों का ढेर लगा रहता था. कभी-कभी उन्हें काल्पनिक आवाजें सुनाई देती थीं.

एक दिन, हन्ना एक घर से दूसरे घर गयीं और उपहार के रूप में उन्होंने लोगों को लिपटे कोयले के टुकड़े भेंट किये. चार्ली को पता था कि उसकी माँ को उस तरह की देखभाल की ज़रूरत थी जो वो देने में असमर्थ था. फिर वो माँ को एक मील दूर स्थित, एक क्लिनिक में ले गया. वहां से डॉक्टरों ने हन्ना को मानसिक अस्पताल भेज दिया. छोटी अवधि को छोड़कर, हन्ना ने अगले सत्रह वर्ष विभिन्न अस्पतालों में ही बिताए.

चार्ली अकेले खाली अपार्टमेंट में रहा. चाय के अलावा पूरी अलमारी खाली थी. वो भोजन और काम की तलाश में सड़कों पर घूमता रहा. तभी खबर आई कि उसके बड़े भाई का जहाज आ रहा था. चार्ली ने कहा, "अगर मेरा भाई सिडनी, लंदन नहीं लौटा होता, तो मैं लंदन की गलियों में एक चोर बन जाता."

चार्ली के फटे कपड़ों और लंबे, गंदे बाल देखकर सिडनी हैरान रह गया. उसने जल्दी से उसे एक गर्म स्नान करवाया, उसके बाल कटवाए और एक नया सूट दिलवाया. फिर उसने अपनी योजना बताई : सिडनी अभिनय शुरू करने जा रहा था. चार्ली ने भी उस कला को आजमाने का फैसला किया.



हन्ना चैपलिन (1865-1928)

1903 में, हन्ना चैपलिन बीमार होने के बाद कभी भी अपने मानसिक स्वास्थ्य को पूरी तरह से ठीक नहीं कर पाईं. 1921 में कैलिफोर्निया में बेटों द्वारा समुद्र के किनारे एक कुटिया बनवाने के बाद भी, उन्हें जीवन भर नर्सिंग देखभाल में रहना पड़ा.



1928 में तैंतालीस साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई.

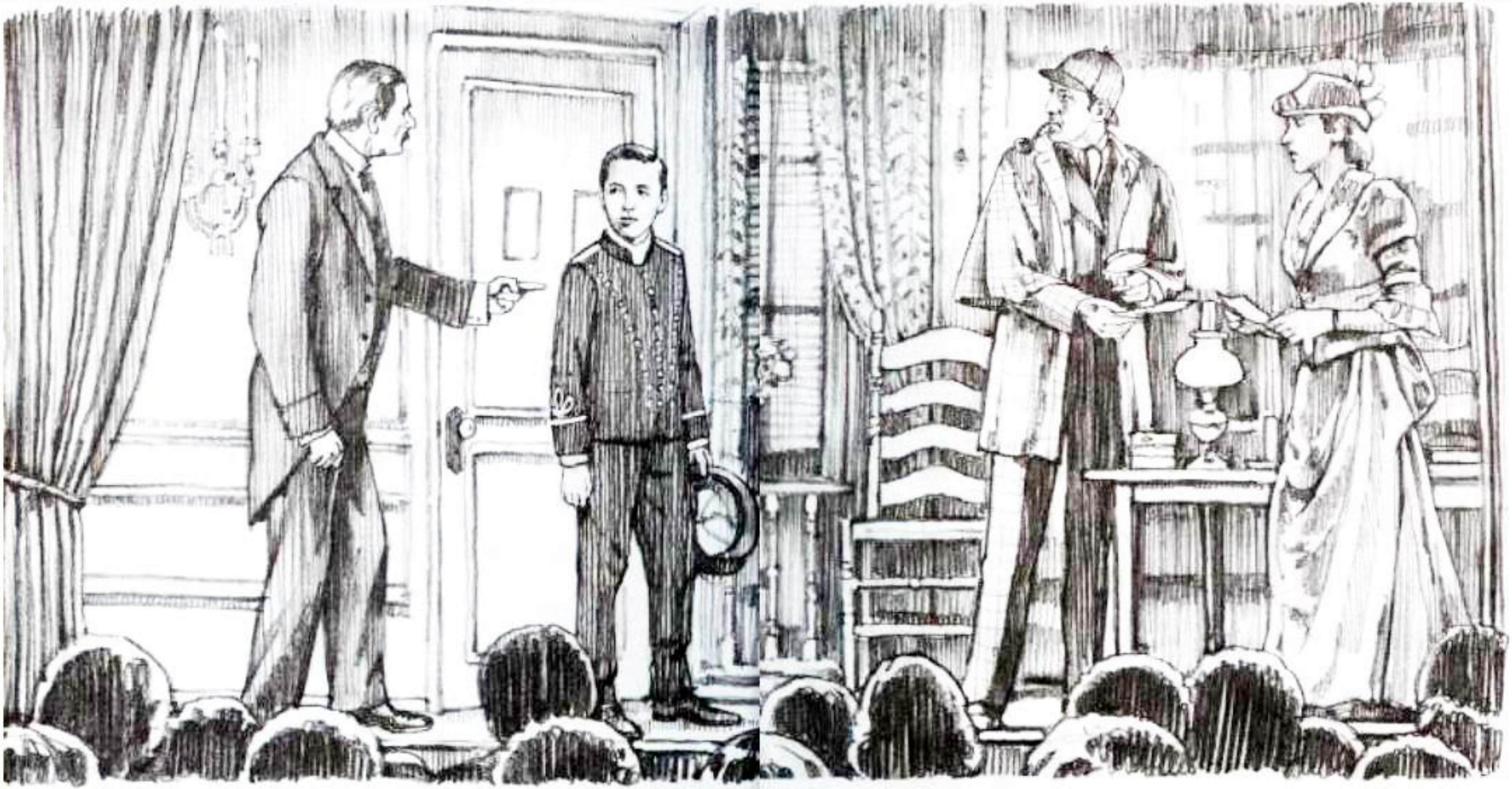
चार्ली हमेशा अपनी मां को उस समय याद करना पसंद करता था जब उनकी तबियत बेहतर थी. "मुझे ऐसा लगता है कि मेरी माँ दुनिया की सबसे शानदार महिला थीं," उन्होंने एक रिपोर्टर से कहा. "मुझे याद है कि वो कितनी आकर्षक और अच्छी थीं."

चैपलिन भाइयों को जल्द ही थिएटर की नौकरी मिल गई. चार्ली ने शर्लक होम्स के नाटक में एक युवा लड़के की भूमिका निभाई. काम मिलने से वो रोमांचित हो गया. पर जब उसे स्क्रिप्ट मिली तो वो मायूस हो गया. इतनी कम स्कूली शिक्षा के कारण वो स्क्रिप्ट पढ़ नहीं पाया! इसलिए, सिडनी ने उन पंक्तियों को उसके लिए बार-बार पढ़ा, फिर तीन दिनों में चार्ली ने उन्हें कंठस्थ कर लिया.

अपने शेष जीवन भर चार्ली को कोई भी नाटक मुंह ज़ुबानी याद रहता था.

शर्लक होम्स एक स्मैश हिट हुआ. चार्ली ने दो साल से अधिक समय तक उस नाटक में काम किया. अंत में उसने अभिनय को ही अपनी जिंदगी का मकसद बनाने की ठानी.

उसे नहीं पता था कि वो एक कॉमेडियन बनेगा.



अध्याय 3

स्लैपस्टिक कॉमेडी



फ्रेड कार्नो

1908 में चार्ली, फ्रेड कार्नो के ऑफिस में एक नौकरी की तलाश में गया. अभिनेता फ्रेड कार्नो एक मांसल आदमी था और वो एक बड़ा सिगार पीता था. वो हास्य कलाकारों के एक प्रसिद्ध समूह का मैनेजर था. स्लैपस्टिक कॉमेडी में चेहरे पर घूंसे मारना, गिरना, लड़ाई, धक्का-मुक्की शामिल होता है.

चार्ली का भाई सिडनी पहले ही कार्नो के लिए काम कर चुका था. लेकिन कार्नो को चार्ली बिल्कुल भी फिट नहीं लगा. चार्ली केवल पाँच फीट चार इंच ऊंचा था. उसके हाथ-पैर छोटे थे. "मुझे वो बहुत ज्यादा शर्मीला लगा," कार्नो ने कहा.

"सत्रह साल की उम्र बहुत छोटी होती है," कार्नो ने चार्ली से कहा, "और तुम उससे भी छोटे दिखते हो."

चार्ली ने सिर हिलाया और कहा कि वो कोई बड़ी समस्या नहीं थी. उसे लगा वो सिर्फ, "मेकअप का सवाल था."

कार्नो उस किशोर को दो सप्ताह के लिए आजमाने के लिए तैयार हो गया.



अपनी शुरुआती रात के लिए, चार्ली ने दर्शकों की ओर पीठ करके मंच पर प्रवेश किया. लोगों ने उसे एक अमीर सज्जन जैसे ऊंची टोपी पहने देखा. फिर चार्ली पलट गया.

उसने अपनी नाक को चमकीला लाल रंगा था!

दर्शकों में हँसी की लहर फ़ैल गई. फिर चार्ली ने जोकर के करतब करना शुरू किए. वो मंच पर घूमा और उसने एक डम्बल पर ट्रिप किया. जब उसने अपने बेंत को एक पंचिंग बैग पर जाकर पकड़ा, तो उसने उसके चेहरे पर थप्पड़ मार दिया. चार्ली डगमगाया और वापस झुका, और अपने बेंत को अपने सिर के किनारे पर गिरा दिया. दर्शकों ने हंसी का ठहाका लगाया.

सप्ताह के अंत तक, चार्ली के मंच पर आते ही भीड़ ने ताली बजाने लगती. कार्नो जानता था कि उसके पास एक विजेता था. उसने चार्ली को साइन कर लिया.

कार्नो के मूक कॉमेडियन ने, पूरे इंग्लैंड और यूरोप के संगीत हॉलों में प्रदर्शन किया. चार्ली ने सप्ताह में सातों दिन, रात में तीन शो किए.

चार्ली पूरे दिन रिहर्सल करता था. मंच पर, खिलाड़ी अनाड़ी या नशे में होने का अभिनय करते, लेकिन उनके करतबों को वास्तव में स्प्लिट-सेकंड टाइमिंग की ज़रुरत होती थी, जैसे कि एक कठिन नृत्य में करना पड़ता है. क्योंकि स्लैपस्टिक कॉमेडी में अक्सर चेन रिएक्शन शामिल होता है. एक खिलाड़ी मुक्का मार सकता है, दूसरा आदमी उससे बच सकता है, और तीसरा आदमी उस मुक्के को झेल सकता है.

हालांकि उसमें कभी किसी को चोट नहीं आती थी. लेकिन मंच के नीचे बैठे दर्शक प्रत्येक नकली मुक्के पर जोर से ताली बजाते थे.





चार्ली जल्दी ही जंगली कलाबाज़ी लगाने में माहिर हो गया. वो कठिन-से-कठिन स्टंट को आसानी से कर सकता था. जल्द ही कार्नो ने चार्ली को साइड-रोल की बजाए मुख्य भूमिकाएं देने लगा. 1910 के पतझड़ में, उसने चार्ली को अमेरिका के दौरे पर जाने का मौका दिया.

कार्नो मंडली सितंबर के अंत में न्यूयॉर्क शहर में पहुंची. उस रात, चार्ली ब्रॉडवे की सड़कों पर चला. चारों ओर थिएटर की बत्तियाँ टिमटिमा रही थीं. उसके सिर के ऊपर गगनचुंबी इमारतें फ़ैली हुई थीं. चार्ली ने सोचा कि अमेरिका ने उसे एक सुनहरा अवसर और रोमांच का मौका दिया था.

मुझे यहाँ होना चाहिए! उसने खुद से कहा. उसके बाद से चार्ली ने वहीं रहने का मन बना लिया.

अमेरिका ने चार्ली को खूब प्यार दिया. उसके अभिनय की बढ़िया समीक्षाएँ छपीं : चैपलिन "सबसे बड़ा हँसने वाला है." "वो एक जन्मजात हास्य अभिनेता है." "उस अकेले आदमी से थिएटर गूँज उठता है."

मंच के बाहर, हालांकि, चार्ली शांत और चुपचाप रहता था. उसके रूममेट स्टेन लॉरेल ने कहा कि कुछ लोगों को चार्ली का स्वभाव रूखा लगता था. (लॉरेल बाद में लॉरेल और हार्डी कॉमेडी एक्ट में प्रसिद्ध हुआ.) "लेकिन वो वैसा नहीं था, वो बिल्कुल भी वैसा नहीं था ... वो एक बहुत ही शर्मीला आदमी था."



स्टेन लॉरेल

लंबी क्रॉस-कंट्री ट्रेन की सवारी में, चार्ली किसी किताब के पन्नों में अपना मुंह छिपाता था. उसकी स्कूली शिक्षा बहुत जल्द ही ख़त्म हो गई थी. अब चार्ली ने पढ़-लिखकर खुद को शिक्षित करने की ठानी. उसने खुद से वायलिन बजाना भी सीखा. सबसे पहले चार्ली को वायलिन के तार उलटने पड़े. यही एकमात्र तरीका था जिससे वो बाएं हाथ से वायलिन बजा सकता था.

1913 में एक दिन चार्ली के लिए एक टेलीग्राम आया. तब तक चार्ली ने कार्नो के साथ पांच साल बिताए थे. टेलीग्राम ने उसे कैलिफोर्निया आने और फिल्में बनाने के लिए आमंत्रित किया!



यह एक बड़ा जोखिम था. चार्ली ने हमेशा मंच पर अभिनय किया था, वो कैमरे के सामने कभी नहीं आया था. और फिल्म व्यवसाय अभी एकदम नया था. पहले अमेरिकी मूवी थियेटर ने सिर्फ आठ साल पहले ही अपने दरवाजे खोले थे.

"मुझे (कार्नो) छोड़ने से नफरत थी," चार्ली ने बाद में कहा. "मान लें, मैंने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया?" कोई चिंता की बात नहीं, चार्ली!

अध्याय 4

बड़ा स्क्रीन

दिसंबर 1913 में, चार्ली कीस्टोन स्टूडियो में पहुंचा. कीस्टोन स्टूडियो सिर्फ एक साल पुराना था. कीस्टोन उन कई छोटे फिल्म स्टूडियो में से एक था, जो कैलिफोर्निया में उभर आए थे. उनकी सबसे लोकप्रिय फिल्में कीस्टोन पुलिस के बारे में थीं. वो पुलिसकर्मियों का एक समूह था, जो जंगली पीछा करते हुए इधर-उधर भागते थे. अभिनेताओं का एक ही समूह, हर फिल्म में अभिनय करता था.

कीस्टोन पुलिस अपनी गश्ती गाड़ी में

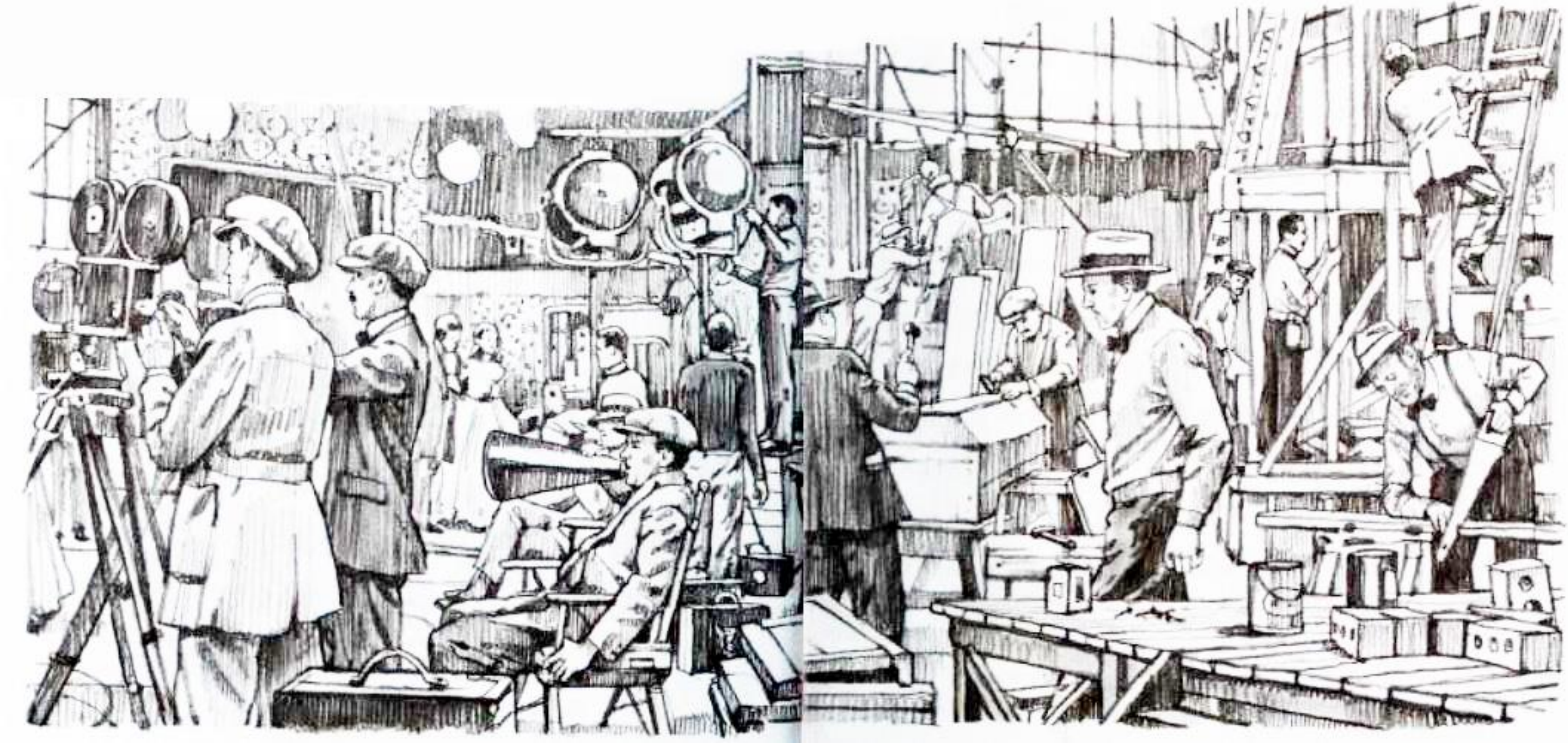


स्टूडियो, लॉस एंजिल्स के बाहर पांच मील की दूरी पर था. चार्ली को वो स्टूडियो एक गोदाम की तरह लगा. खेत, लकड़ी की झोंपड़ी और स्टोर पास में थे. साथ में कैक्टस और सेजब्रश की झाड़ियां भी थीं. स्टूडियो में अभिनेता गुंडों की तरह लग रहे थे. उसके बाद चार्ली घूमा और सीधे अपने होटल में वापिस चला गया!

चार्ली के कीस्टोन में वापस आने में तीन दिन लगे. एक विशाल मंच जो दो ब्लॉक लंबा, ने स्टूडियो की लंबाई को और भी बढ़ा दिया.

एक ही समय में तीन या चार अलग-अलग फिल्मों की शूटिंग चल रही थी. सेट अगल-बगल खड़े थे. एक लिविंग रूम, दूसरा जेल और तीसरा स्केटिंग रिंक हो सकता था. वो देखकर, चार्ली मोहित हो गया.

स्टूडियो में काफी शोर-शराबा था. बढ़ई, नए सेट बनाने के लिए लकड़ी काट रहे थे और कीलें ठोंक रहे थे. कैमरे के हैंडल क्रैंक किए जा रहे थे. निदेशक अपने आदेश चिल्ला रहे थे. लेकिन उस शोर-शराबे से बिल्कुल भी फर्क नहीं पड़ता था: क्योंकि मूक फिल्मों में कोई आवाज ही नहीं होती थी.



उस समय मूवी स्टूडियो में, इलेक्ट्रिक लाइटिंग का भी उपयोग भी नहीं किया जाता था. भले ही उस समय तक बिजली की रोशनी व्यापक रूप से उपयोग की जा रही थी, लेकिन कोई भी लाइट इतनी शक्तिशाली नहीं थी कि वो फिल्म को उजागर कर सके. उसकी बजाय, कैलिफोर्निया की तेज धूप, स्टूडियो को रोशन करती थी.

कैसे फिल्में बनती हैं यह देखने के लिए चार्ली को कुछ दिन दिए गए. कुछ बातों ने उसे चौंका दिया. उसने एक निर्देशक को "कट!" चिल्लाते हुए सुना. एक अभिनेत्री ने केवल एक दरवाजे पर दस्तक दी थी. तभी चार्ली को यह पता चला कि फिल्में छोटे-छोटे टुकड़ों में बनती थीं. दृश्यों को क्रम से फिल्माया जाता था और फिर बाद में एडिटिंग कमरे में एक साथ जोड़ा जाता था.

जब चार्ली अपनी पहली भूमिका निभाने के लिए तैयार हुआ तो उसे एक और आश्चर्य हुआ: कीस्टोन, बिना स्क्रिप्ट के फिल्में बनाता था. निर्देशक कहानी के केवल ढीले-ढाले विचार के साथ फिल्मांकन शुरू करते थे. अभिनेता और निर्देशक मौके पर ही अधिकांश हास्य और मज़ाक गढ़ते थे. चार्ली ने लिखा, "थिएटर में मैं हर रात एक ही चीज़ को बार-बार दोहराता था, लेकिन फिल्मों में अधिक स्वतंत्रता थी. फिल्मों ने मुझे रोमांच की भावना दी."

कुछ दिनों बाद, चार्ली की पहली फिल्म, *मेकिंग अ लिविंग* (1914) तैयार हुई. उस समय की फिल्मों को "शॉर्ट्स" कहा जाता था. तब फ़िल्में एक रील लंबी, या लगभग पंद्रह मिनट की होती थीं. कीस्टोन स्टुडिओ अक्सर एक हफ्ते में तीन फिल्में बनाता था!

मेकिंग अ लिविंग के एक दृश्य में, चार्ली बाईं ओर



चार्ली की दूसरी फिल्म के लिए, कलाकार पास के वेनिस, कैलिफ़ोर्निया में बच्चों की डर्बी-कार रेस में ड्राइव करने जा रहे थे. कीस्टोन फिल्मों को अक्सर स्टूडियो के अंदर शूट करने की बजाए "लोकेशन पर" फिल्माया जाता था. उदाहरण के लिए, किसी फिल्म को सड़क पर परेड, आउटडोर संगीत कार्यक्रम, घुड़दौड़, या यहां तक कि स्थानीय लगी आग में भी शूट किया जा सकता था.



मैक सेनेट

वास्तविक जीवन के दृश्य दिलचस्प होते थे, साथ ही निर्माण करने के लिए उनकी कीमत भी कुछ भी नहीं आती थी. मैक सेनेट, कीस्टोन के प्रमुख थे. कलाकारों के वेनिस जाने से पहले, उन्होंने चार्ली से एक पोशाक तैयार करने के लिए कहा. वो अपनी मर्ज़ी के मुताबित को चाहें कपड़े पहन सकता था.

चार्ली ने कीस्टोन्स के बड़े कॉस्ट्यूम रूम - जो एक पुराने खलिहान में था कपड़ों को खोजा और जो भी उसे भाया वो कपड़े उसने ले लिए. बाद में उसने लिखा, "मैं चाहता था कि सब कुछ एक विरोधाभास हो : ढीली-ढाली पतलून, कोट तंग, टोपी छोटी और बड़े-बड़े जूते."

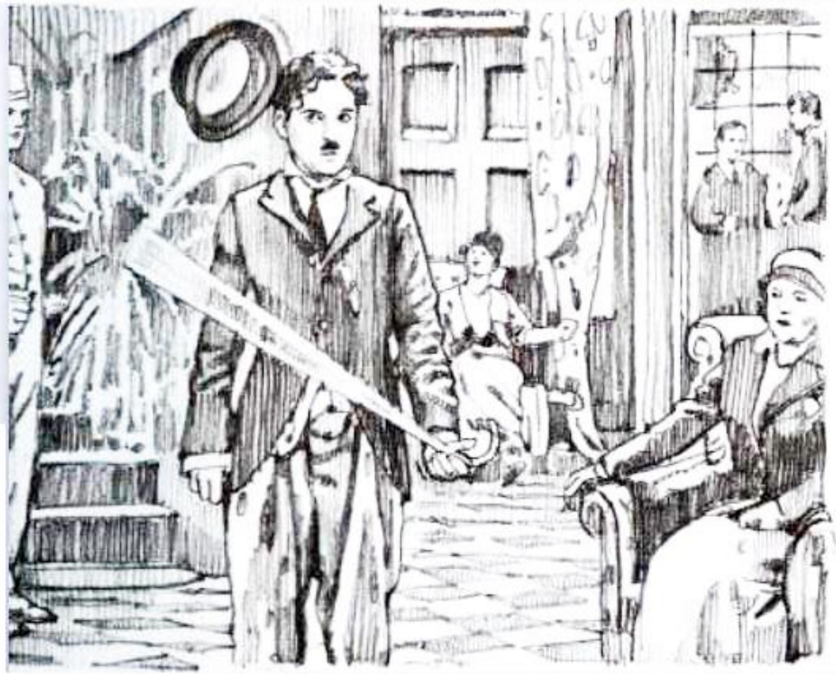


कपड़े पहनने के बाद, चार्ली ने पैरों पर पैच वाले बड़े जूते उलटे पहने - बाएं में दायां, और दाएं में बायां. फिर उसने एक छोटी सी काली मूछें चिपकाई, एक बेंत पकड़ा, और फिर वो बाहर निकला.



तब वो यह नहीं जानता था, कि वो फिल्म इतिहास बनाएगी!

चार्ली ने अभी-अभी एक प्रसिद्ध चरित्र का आविष्कार किया था जिसे "लिटिल ट्रैम्प" के नाम से जाना जाने लगा. *किड ऑटो रेस एट वेनिस* (1914) पहली फिल्म थी जिसमें ट्रैम्प था. दो दिन बाद, वो *माबेल्स स्ट्रेंज प्रिडिकामेन्ट* (1914) में दिखाई दिया, और उस फिल्म में ट्रैम्प के मजाकिया व्यक्तित्व से जान आ गई. फिल्म में वो एक महिला के पैर से ठोकर खाता है और फिर माफी मांगने के लिए अपनी टोपी उठाता है. फिर वह एक थूकदान पर डगमगाता है और उसे अपनी टोपी भी पहनाता है. वो अपने बेंत को एक सुंदर घुमाव देता है और अपनी टोपी को फेंक देता है.



जब फिल्म की शूटिंग चल रही थी तब चार्ली ने सुना कि कैमरामैन हंसने लगा. जल्द ही कीस्टोन क्रू के अन्य लोग जोकर को देखने के लिए अपने सेट से निकलकर बाहर आए. "वो वास्तव में एक सच्ची तारीफ थी," चार्ली ने बाद में याद किया. "मैंने तब वहां यह फैसला किया कि मैं इस पोशाक और ट्रैम्प के चरित्र को बरक़रार रखूंगा, चाहें कुछ भी हो."

अपने वचन के अनुसार, चार्ली ने अगले बाईस वर्षों तक लगभग सत्तर फिल्मों में ट्रैम्प की भूमिका निभाई. उसने स्क्रीन पर आने के सिर्फ पांच दिनों के बाद एक सबसे प्रसिद्ध पात्र का चरित्र बनाया था!

अध्याय 5

निर्देशक और स्टार

फिल्मों में चार्ली पूरी तरह से रम गया. उसने फिल्म निर्माण के हर हिस्से को सीखने की तैयारी की. एडिटिंग रूम में फिल्म को कैसे काटकर और फिर कैसे जोड़ा जाता था? अभिनेता कितनी कैमरा रेंज के भीतर घूम सकते थे? फिल्मांकन को तेज करने या धीमा करने के लिए कैमरों को कितनी तेज़ गति से क्रैंक किया जाना चाहिए? (हास्य प्रभाव के लिए मूक फिल्में अक्सर वास्तविक जीवन की तुलना में तेज गति से दौड़ती हैं.)

चार्ली से ज्यादा मेहनत किसी और ने नहीं की. "वो काम करना चाहता था - और वो लगभग हर समय काम करता था," मैक सेनेट ने कहा. "हम आठ बजे काम पर जाते तो वो वहाँ सात बजे से ही मौजूद होता था. हम पाँच बजे स्टूडियो छोड़ते थे .. लेकिन वो छह बजे तक वहां जमा रहता था."

दुर्भाग्य से, चार्ली की शैली कभी-कभी कीस्टोन की शैली के साथ टकराती थी. उनकी कॉमेडी भीड़-भाड़ में पकड़ने (चेज़) पर केंद्रित थी. चार्ली को लगता था कि सबसे अच्छी कॉमेडी चरित्र पर आधारित होनी चाहिए. वो अपने दृश्यों में मज़ेदार विवरण जोड़ना चाहता था जो ट्रैम्प के व्यक्तित्व से मेल खाते थे. लेकिन निर्देशक, सुपरफास्ट गति को धीमा नहीं करना चाहते थे. चार्ली के कुछ सबसे मजेदार किरदार, कटिंग रूम के फर्श पर कूड़ेदान में फेंके जाते थे.



फिर चार्ली ने अपनी खुद की फिल्में लिखने और निर्देशित करने का सपना देखना शुरू किया.

एक फिल्म में अभिनेत्री माबेल नॉर्मैंड निर्देशक थीं. वो उस समय एक बड़ी स्टार थीं.



माबेल नॉर्मैंड

एक आउटडोर शूटिंग के दौरान, उसने चार्ली के किसी भी सुझाव को सुनने से इनकार कर दिया. अंत में, चार्ली चला गया और गुस्से में सड़क के किनारे बैठ गया.

साइलेंट फिल्म्स 1894-1929

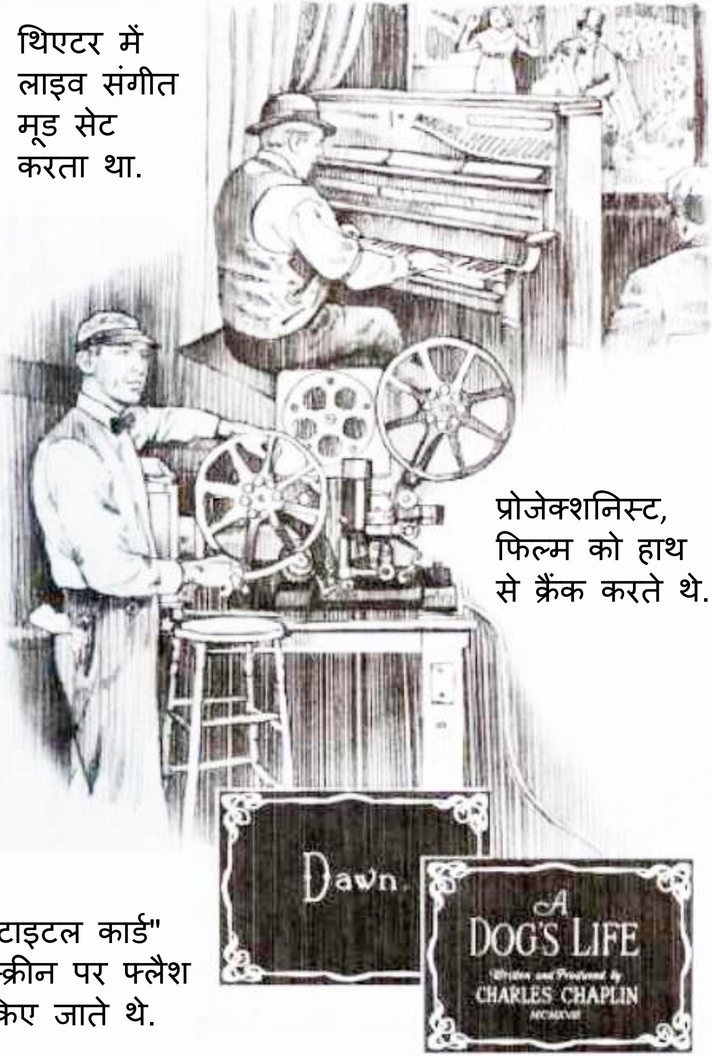
उस ज़माने में बड़ी रीलों पर फिल्में बनती थीं.



कैमरे हाथ से क्रैंक किए जाते थे.



थिएटर में लाइव संगीत मूड सेट करता था.



प्रोजेक्शनिस्ट, फिल्म को हाथ से क्रैंक करते थे.

"टाइटल कार्ड" स्क्रीन पर फ्लैश किए जाते थे.



चार्ली के सिट-डाउन स्ट्राइक के बारे में सुनकर मैक सेनर्ट को बहुत गुस्सा आया. "तुम वही करो जो तुमसे कहा गया है," वो चार्ली पर चिल्लाया. फिर वो वहां से चला गया.

चार्ली को लगा कि उसे निकाल दिया जाएगा. लेकिन उसको आश्चर्य हुआ जब अगले दिन सेनेट ने उससे एक दोस्ताना मुस्कान के साथ मुलाकात की. उसे अभी-अभी ईस्ट कोस्ट से अपने आकाओं से समाचार मिला था कि चार्ली की फ़िल्में अन्य सभी कीस्टोन फ़िल्मों को पछाड़ रही थीं! लोग तुरंत उस अजीब ट्रैम्प लड़के के साथ और फ़िल्में देखना चाहते थे.

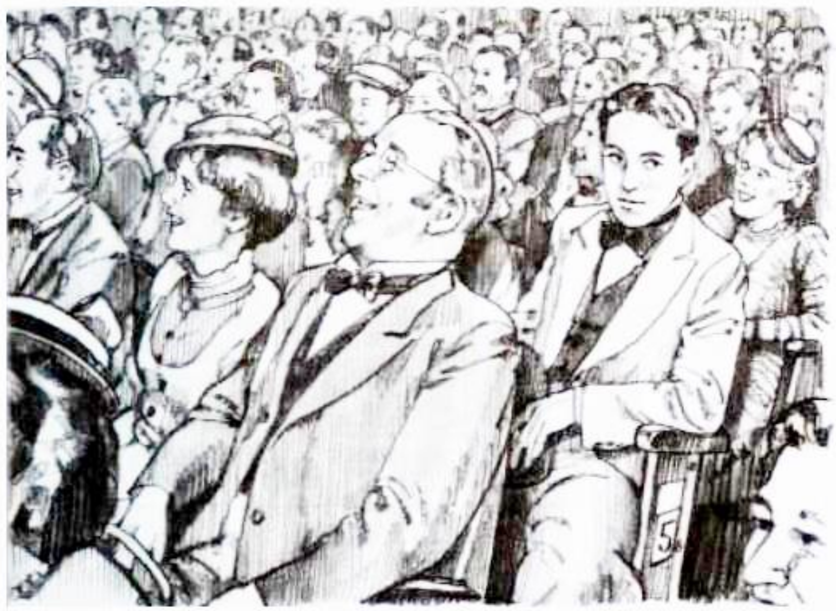
चार्ली को खुश करने के लिए सेनेट को रास्ता खोजना पड़ा. चार्ली ने सुझाव दिया कि उसे अपनी फिल्मों को खुद डायरेक्ट करने का मौका दिया जाए. यह सेनेट को जोखिम भरा लगा. क्योंकि चार्ली अभी भी फिल्मों के लिए काफी नया था. तब चार्ली ने कहा कि वो अपनी जीवन भर की जमा पूँजी दांव पर लगा देगा. कीस्टोन को एक पैसे का भी नुक्सान नहीं होगा. उससे डील सील हो गई. तब से, चार्ली अपनी फिल्मों का निर्देशक और स्टार दोनों बन गया.

चार्ली को ट्रैम्प के बारे में सोचना पसंद था. उसने हमेशा कुछ अप्रत्याशित किया. गाय को दूध दुहना नहीं जानने पर, ट्रैम्प उसकी पूंछ खींच सकता था. जब एक पाइप से भीग गया, तो ट्रैम्प ने अपना कान मरोड़ा और उसके मुंह से पानी निकलने लगा. अपनी परछाई पर गिरते करते हुए, ट्रैम्प ने अपनी टोपी उस पर टिका दी.



उस समय फिल्मों में एक सीट की कीमत केवल एक निकल या डाइम होती थी. पुरानी दुकानों को परिवर्तित करके, "निकलोडियन" नामक छोटे थिएटरों में फिल्में दिखाई जाती थीं. कभी-कभी चार्ली एक ऐसे थिएटर में घुस जाता था जहाँ उसकी फिल्म चल रही होती थी. पर नीली आंखों वाले उस सुंदर युवक को दर्शकों में से कोई नहीं पहचानता था. वो फिल्म के मजाकिया ट्रैम्प की तरह बिल्कुल भी नहीं दिखता था. चार्ली, स्क्रीन को नहीं देखता था. उसकी आँखें और कान दर्शकों पर केंद्रित होती थीं. वे कब हँसे? किस बात ने उन्हें ज़ोर से हँसाया? दर्शकों की प्रतिक्रिया, चार्ली को अपनी अगली फिल्म को आकार देने में मदद करती थी.

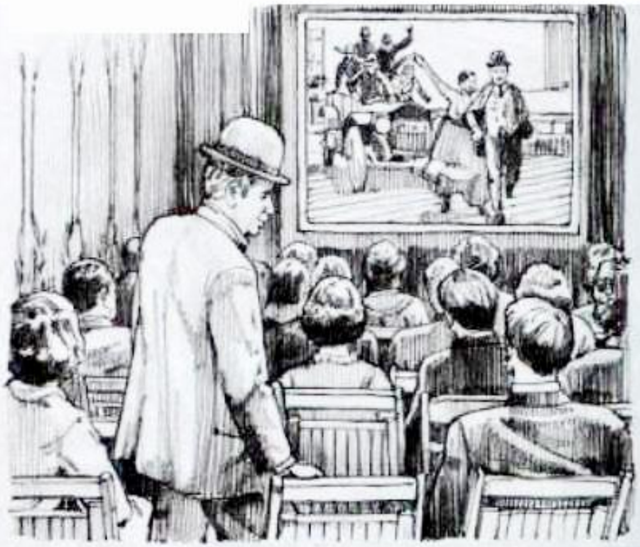
दृश्यों के बीच में, चार्ली "क्लॉग" डांस या हेडस्टैंड करके फिल्म क्रू का मनोरंजन करता था. अपने कलाकारों को निर्देशित करने के लिए, चार्ली शूटिंग से पहले उनके सभी हिस्सों के अभिनय का अभ्यास करता था.



निकलोडियन

पहले सिनेमाघर "निकेलोडियन" थे. लाखों अप्रवासियों सहित मजदूर वर्ग के लोग वहां फ़िल्में देखने जाते थे.

निकलोडियन जर्जर और गरीब हॉल होते थे. वहां कोई जलपान नहीं मिलता था, और दर्शक लकड़ी की कुर्सियों पर बैठते थे. सिर्फ एक निकल में दर्शक दस से पंद्रह मिनट तक चलने वाली काले और सफेद "शॉर्ट्स" फिल्म देख सकते थे.



उस समय तक, फिल्म अभिनेताओं का नाम पर्दे पर नहीं दिखाया जाता था. अब जनता ये जानने को उत्सुक थी कि मूंछों वाला वो शख्स कौन था? ट्रैम्प के बड़े कट-आउट पूरे अमेरिका के सिनेमाघरों के सामने लगने लगे. "चार्ली चैपलिन. मैं आज यहां हूं," साइनपोस्ट पर लिखा होता था. चैपलिन ने नाम ने हज़ारों दर्शकों को अपनी ओर खींचा.

कीस्टोन में एक साल बिताने के बाद, चार्ली अब आगे बढ़ने को तैयार था. एक साल कोई बहुत लंबा समय नहीं होता है. लेकिन पहले ही साल में उसने पैंतीस फिल्में बनाई थीं!

अध्याय 6

यश

चार्ली ने अपने भाई सिडनी को अपना बिजनेस मैनेजर बनने को कहा. यह एक समझदारी की बात साबित हुई. सिडनी ने चार्ली का एस्सने फिल्म स्टूडियो के साथ एक करार करवाया. नए स्टूडियो ने कीस्टोन से लगभग तीस गुना अधिक भुगतान किया!

चार्ली ने एक महीने में लगभग एक ट्रैम्प कॉमेडी बनानी शुरू की. अधिकांश फ़िल्में दो रील लंबी होती थीं, जो लगभग आधे घंटे तक चलती थीं. लेकिन हरेक सीन को शूट करने में घंटों का समय लगता था. चार्ली अंतहीन रीटेक लेता था. *द ट्रैम्प* (1915) के एक अभिनेता ने स्टैन लॉरेल को सीढ़ी वाले दृश्य को पचास बार शूट करने के बारे में बताया. लॉरेल ने बताया, "अभिनेताओं को लगा कि अगर उन्होंने उसे सीन को एक बार और किया तो फिर उनका दिमाग उड़ जायेगा." लेकिन चार्ली एक महान कलाकार था. "उसने हमेशा सर्वश्रेष्ठ किया और उसके अलावा कुछ भी करने से इनकार किया."



पर्दे पर चार्ली का सब कुछ किया बहुत आसान लगता था. उसके प्रशंसकों को उसका मज़ाकिया अंदाज बहुत पसंद आता और उन्होंने उसे खूब सराहा. ट्रैम्प हवा में एक पैर के साथ चारों ओर फिसलता था. उसने अपने कंधे के ऊपर से माचिस फेंकता और फिर अपनी एड़ी से उसे लात मारता था.

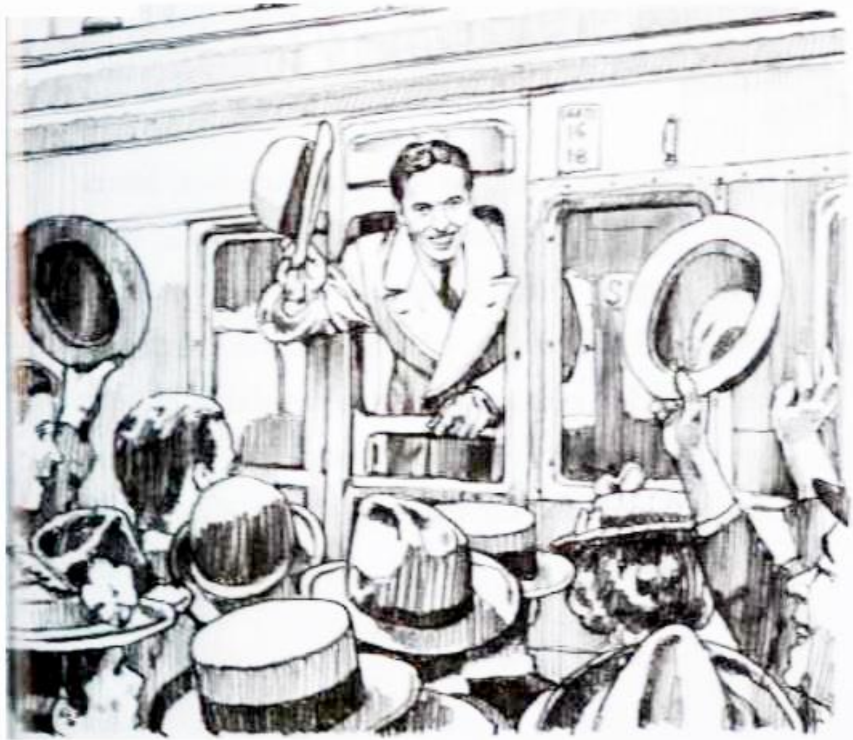
वो अपनी टोपी को अपनी बांह की लंबाई से नीचे सरकाता था और फिर बिना झुके उसे अपने सिर से उतार देता था. ट्रैम्प पागल करने वाली कलाबाज़ियां लगाता था - आगे, पीछे और तीन चौथाई. शरारत शुरू होने से ठीक पहले, उसने अपनी भौहें मोड़ता था या अपनी मूंछें मरोड़ता था.



सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ट्रैम्प उस छोटे आदमी के लिए खड़ा था जो कभी हार नहीं मानता था. *द ट्रैम्प* के प्रसिद्ध अंत में उसकी आत्मा चमकती है. उसने अभी-अभी एक लम्बे, सुन्दर आदमी के लिए अपनी प्रियतमा को खो दिया है. एक फीके-आउट शॉट में, वो अकेले एक लंबी सड़क पर उतरता है. एक डंडे पर एक गठरी उसके कंधे पर लटकी हुई है.

अचानक, ट्रैम्प खुश होकर कूदता है और अपने बेंत को घुमाता है. ज़िंदगी उसे नीचे गिराने की कोशिश करती है लेकिन ट्रैम्प हमेशा खुद को फिर से ऊपर उठाता है.

1916 में सिडनी ने चार्ली को, न्यू यॉर्क बुलाया ताकि वो म्युचुअल फिल्म कॉरपोरेशन के साथ एक नए अनुबंध पर हस्ताक्षर कर सके. चार्ली ने वहां जाने के लिए ट्रेन ली. अल्बुकर्क में एक स्टॉप पर, उसने बाहर जय-जयकार सुनी. यह खबर सब जगह फ़ैल गई थी कि चार्ली ट्रेन में था - उसे देखने के लिए प्रशंसकों की स्टेशन पर भीड़ उमड़ पड़ी थी.





अमेरिका में चैपलिन का क्रेज चल रहा था. दुकानों में ट्रैम्प गुड़िए, बटन, कॉमिक बुक्स, हैट और प्लेइंग कार्ड्स बिक रहे थे. ट्रैम्प जैसे दिखने वाले लोगों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही थीं. यूरोप में, चार्ली बहुत जल्दी सुपरस्टार बन गया क्योंकि मूक फिल्मों का दूसरी भाषा में अनुवाद करने की आवश्यकता ही नहीं थी. स्पेन में, लोगों ने चालिटोस की जय-जयकार की: फ्रांस में, चेरियट की; और इटली में, कार्लो की.



चार्ली की दौलत की लालसा अब पूरी तरह साकार हो गई थी. 1916 के उनके म्युचुअल अनुबंध ने उसे 10,000 डॉलर प्रति सप्ताह का भुगतान किया. इसने चार्ली को अमेरिका में सबसे अधिक वेतन पाने वाला व्यक्ति बना दिया - शायद पूरी दुनिया में भी. यह उस काल की बात है जब कोई आदमी चौथाई डॉलर में एक दर्जन अंडे खरीद सकता था. ठीक एक साल बाद, उन्होंने फर्स्ट नेशनल के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जिसने चार्ली को करोड़पति बना दिया! वो चिथड़ों से महान धनी बन गया था.

सिडनी चैपलिन



सिडनी एक शिशु था जब उसकी मां, हन्ना ने 1885 में चार्ल्स चैपलिन सीनियर से शादी की थी. चार्ल्स ने सिडनी को अपनाया और उसे अपना अंतिम नाम चैपलिन दिया. उसके चार साल बाद चार्ली का जन्म हुआ.

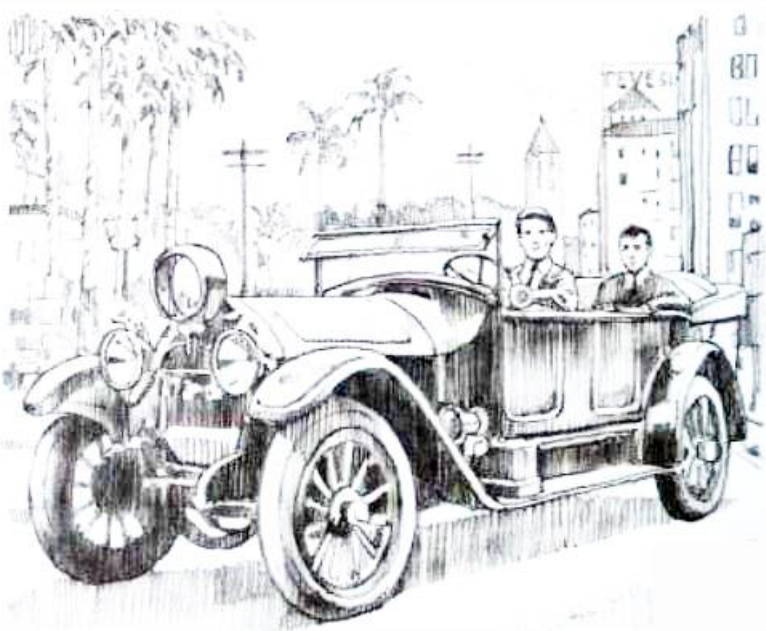
नाविक के रूप में कई साल बिताने के बाद सिडनी खुद एक बेहतरीन अभिनेता बन गया. वो कार्नो के लिए प्रमुख अभिनेता बन गया, जहाँ उसने अपने छोटे भाई को नौकरी दिलाने में मदद की. चार्ली ने बाद में अपने भाई का एहसान वापस किया जब उसने सिडनी को कीस्टोन में अभिनेता के रूप में काम दिलवाया. अभिनय जारी रखते हुए, सिडनी ने चार्ली के व्यापारिक मैनेजर के रूप में भी काम किया, जब उसने कई मुनाफे वाले सौदों पर हस्ताक्षर किये.

दोनों भाई जीवन भर एक-दूसरे के बहुत करीब रहे. सिडनी, स्थिर और देखभाल करने वाला इंसान था और वो अपने छोटे भाई चार्ली पर सावधानीपूर्वक नजर रखता था. सिडनी ने एक बार उसे लिखा, "माँ की बीमारी के बाद से, दुनिया में हम दोनों ही एक-दूसरे के लिए हैं."

सिडनी ने अपने अंतिम वर्ष यूरोप में बिताए, जहाँ अस्सी वर्ष की आयु में उसका निधन हो गया.

अध्याय 7
एक नया स्टूडियो

चार्ली पैसों के साथ हमेशा सावधानी बरतता था. वो सिर्फ दो कमरों के छोटे अपार्टमेंट में रहता था. लेकिन फिर उसने आखिरकार खर्च करना शुरू कर दिया. उसने अपनी पहली कार, सात सीटों वाली लोकोमोबाइल खरीदी, और एक ड्राइवर को भी काम पर रखा जो उसके साथ बीस साल तक रहा. उसने एक सचिव और बटलर को भी काम पर रखा.



उसका सामाजिक जीवन अभी भी शांत था. शानदार हॉलीवुड पार्टियां उसे बिल्कुल भी पसंद नहीं थीं. वो न तो शराब पीता था और न ही धूम्रपान करता था. वैसे अपने घर पर, वो एक आकर्षक मेजबान था.



डगलस फेयरबैंक्स

रॉबिन हुड फिल्मों के दबंग अभिनेता डगलस फेयरबैंक्स उसके सबसे अच्छे दोस्त थे. दोनों आदमी एक-दूसरे के विपरीत थे. डगलस बाहरी व्यक्ति था; चार्ली निजी इंसान था. लेकिन दोनों में रोमांच की भावना, टेनिस के प्रति प्रेम और जीवंत हास्य की भावना थी.

चार्ली का अधिकांश समय काम करने में बीतता था. उसने अपनी सभी फिल्मों का लेखन, निर्देशन, अभिनय और संपादन किया. वो अपनी कास्टिंग भी खुद ही करता था.

ए डॉग्स लाइफ (1917) में, स्क्रैप्स नाम का एक आवारा कुत्ता ट्रैम्प का दोस्त बन जाता है. चार्ली ने परीक्षण किया और भाग लेने आए कई शुद्ध नस्ल कुत्तों को खारिज किया. फिर उसे स्थानीय प्रजाति का मठ नाम का एक छोटा कुत्ता मिला. प्रसन्न होकर, चार्ली ने उसे फिल्म में कास्ट किया और उसे अपने स्टूडियो के "लोगो" के रूप में रखा.





उस वर्ष, चार्ली ने अपना स्टूडियो बनाना शुरू किया. उसने हॉलीवुड के बीचोंबीच सनसेट बुलेवार्ड पर पांच एकड़ जमीन खरीदी. वहां पर नींबू और आड़ू के पेड़ खूब खिल रहे थे. उसने वहां एक बड़ा बगीचा लगाया और एक स्विमिंग पूल और टेनिस कोर्ट भी बनवाया. ड्रीम स्टूडियो को एक ब्रिटिश कॉटेज की तरह दिखने के लिए डिज़ाइन किया गया था. अंदर कार्यालय, मंच, ड्रेसिंग रूम, रील बनाने की जगह और निश्चित रूप से एक कटिंग रूम था. 1918 में, स्टूडियो बनकर तैयार हो गया था. चैपलिन ने गीले सीमेंट पर कदम रखा और अपने पैरों के निशान बनाए. वे ट्रैम्प के बड़े जूते थे जो बाहर की ओर थे.



इस समय तक, अमेरिका प्रथम विश्व युद्ध में लड़ रहा था. चार्ली ने ट्रैम्प को वर्दी पहनाने का फैसला किया. छोटा लड़का ड्यूटी के लिए बिल्कुल फिट नहीं था. *शोल्डर आर्म्स* (1918) में, एक सख्त सार्जेंट ने ट्रैम्प को एक सीधी रेखा में मार्च करने का आदेश दिया. लेकिन उसके पैर बाहर की ओर बहते रहे. युद्ध की तैयारी के लिए, ट्रैम्प आपातकालीन आपूर्ति साथ ले जाता है: कॉफ़ी-पॉट, पनीर और अंडा फेंटने वाली मथनी जैसी चीज़ें!

जब फिल्म लगभग पूरी हो चुकी, तो चार्ली को डर था कि वो ख़ास मजेदार नहीं थी. वो उसे कूड़ेदान में फेंकने वाला था. तब उनके दोस्त डगलस फेयरबैंक्स ने फुटेज देखा और रोने तक हंसता रहा. दर्शकों ने भी ऐसा ही किया जब चार्ली ने बाद में फिल्म को रिलीज किया.

शोल्डर आर्म्स फिल्म तेज़ी से स्मैश हिट बन गई. युद्ध से लौटने वाले सैनिक खुश हो गए जब ट्रैम्प ने दुश्मन के सैनिकों को पीछे अपनी प्रसिद्ध बैक किक मारी.

चार्ली अभी भी खुशी से और बस दो कमरों के घर में रहता था. फिर *शोल्डर आर्म्स* रिलीज़ होने के तीन दिन बाद, कुंवारे चार्ली ने, मिल्ड्रेड हैरिस नाम की एक युवा अभिनेत्री से शादी करके सभी को चौंका दिया. चार्ली ने अपना पहला घर खरीदा. दुर्भाग्य से, चार्ली और मिल्ड्रेड में बहुत कम समानता थी. दो साल बाद, शादी उनकी शादी टूट गई.

मिल्ड्रेड हैरिस के साथ चार्ली



1919 में, चार्ली अन्य हॉलीवुड सितारों के साथ जुड़कर अपनी फिल्मों को फंड करने और वितरित करने के लिए एक कंपनी बनाई. यूनाइटेड आर्टिस्ट्स नाम की यह कंपनी आज भी सफल है.



एक निर्माता के रूप में, चार्ली जो चाहे कर सकता था. वो लंबी, अधिक नाटकीय फिल्में बनाना चाहता था.

अध्याय 8

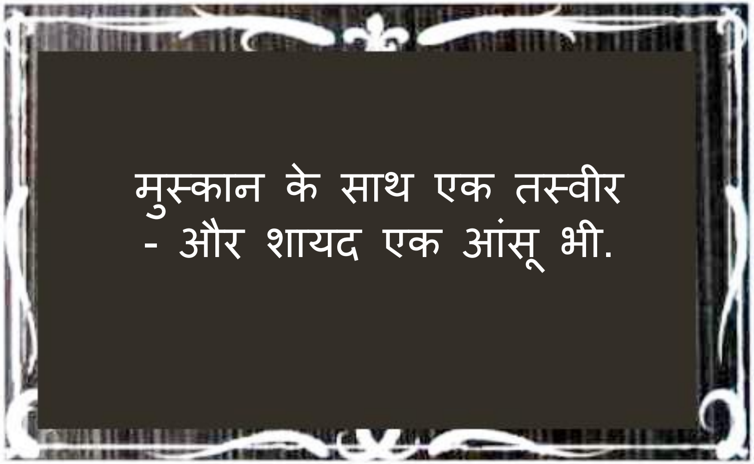
हिट फिल्में

चार्ली, जैकी कूगन नाम के एक छोटे लड़के को वाडेविल के मंच पर एक जीवंत नृत्य करते हुए देख रहा था. उस बच्चे ने दर्शकों को वैसे ही मंत्रमुग्ध किया, जैसे उस उम्र में चार्ली ने किया था. चार्ली को एक नया विचार आया - एक अनाथ बच्चे के बारे में फिल्म बनाने का. बच्चे पहले भी फिल्मों में आ चुके थे. लेकिन उन्होंने शायद ही कभी किसी फिल्म में प्रमुख भूमिका निभाई हों.



जैकी कूगन

द किड (1921) चार्लीज़ की अन्य फ़िल्मों से अलग थी. एक निर्देशक के रूप में वो उसकी पहली पूर्ण लंबाई वाली फिल्म थी, जो एक घंटे तक चली. शिथिल रूप से एक साथ रखे गए दृश्यों के बजाय, इस फिल्म ने एक कहानी सुनाई गई थी. सबसे महत्वपूर्ण, इसमें कॉमेडी और ड्रामा दोनों का मिश्रण था. उद्घाटन शीर्षक इस प्रकार था :





"यह काम नहीं करेगा," एक प्रसिद्ध पटकथा लेखक ने चार्ली को चेतावनी दी. "फिल्म या तो कॉमेडी होनी चाहिए या नाटक. आप उन्हें मिला नहीं सकते हैं." लेकिन हमेशा की तरह, चार्ली ने अपनी प्रवृत्ति का पालन किया.

फिल्म में जैकी कूगन द्वारा निभाए गए एक बेघर बच्चे की परवरिश करते हुए ट्रैम्प को दिखाया गया था. खुशमिजाज जोड़ी अपनी सूझबूझ से बच जाती है.

हालांकि चार्लीज़ का गुस्सा कभी-कभी अन्य अभिनेताओं के साथ भड़क जाता था, लेकिन धीरे-धीरे उसके और सह-कलाकारों के बीच एक आसान रिश्ता बन गया. फिल्मों के चरमोत्कर्ष में, एक सामाजिक कार्यकर्ता जैकी को ट्रैम्प की बाहों से बाहर खींच लेता है. स्क्रीन पर पहली बार ट्रैम्प रोता है. वह छतों पर दौड़ता है और जैकी को बचाने के लिए एक ट्रक पर चढ़ जाता है. तब तक थिएटर में हरेक आंख गीली थी.

द किड फिल्म एक उत्कृष्ट कृति के रूप में सम्मानित किया गया. चार्ली की कला ने उछाल लगाई थी. जल्द ही वो फिल्म दुनिया भर में हिट हो गई. फ्रांस ने फिल्म के उद्घाटन दिवस को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया!

इतिहास ने चार्ल्स की अगली फिल्म को प्रेरित किया, जो अलास्का *गोल्ड रश* की पृष्ठ भूमि में सेट की गई थी. 1890 के दशक के अंत में, सोने की तलाश में हजारों लोग अलास्का गए. *द गोल्ड रश* (1925) में, चार्ली ने अलास्का की तरह दिखने वाले सेट बनाने के लिए बहुत खर्च किया. वह दस कर्कश कुत्ते और एक जीवित भूरा भालू लाया. नकली स्नोफील्ड बनाने के लिए एक टन नमक और आटे को ट्रक में डाला गया. बर्फ़ीले तूफ़ान के दृश्यों के लिए कंफ़ेटी के ट्रकलोड लाए गए.



फिल्म का उद्घाटन कैलिफोर्निया के सिएरा नेवादा पर्वत में शूट किया गया था. चार्ली ने सोना खोदने वालों का रोल अदा करने के लिए छह सौ अतिरिक्त लोगों को काम पर रखा. एक अविस्मरणीय दृश्य में, वे अकेले पहाड़ पर एक लाइन में चढ़ते हैं. फिर स्क्रीन पर एक कार्ड चमकता है:

कहीं से भी तीन दिन दूर

एक अकेला सोना खोजने वाला

और वहाँ एक ट्रैम्प है, जो एक बर्फीली चट्टान के साथ मशक्कत करने की कोशिश कर रहा है. बेशक, उसकी गोल टोपी उसके सिर पर है और उसका बेंत उसके हाथ में है. बहुत पहले, भूख से मर रहा ट्रैम्प थैंक्सगिविंग डिनर के लिए अपना बूट उबाल रहा है. वह उसे एक विशेष भोज की तरह परोसता है, यह दिखावा करता है कि फावड़ियों के फीते स्पेगेटी (नूडल्स) हैं.



बाद में ट्रैम्प का एक डिनर पार्टी में मेजबानी करने का सपना है. उसने दो डिनर रोल में काँटा फंसाया और नाटक किया है कि जूतों की एक जोड़ी नृत्य कर रही है. दर्शकों को यह सीन इतना पसंद आया कि कुछ थिएटरों में फिल्म को रोककर फिर से चलाना पड़ा. (इसे ऑनलाइन देखने के लिए प्रमुख शब्द चैपलिन फोर्क डांस खोजें.)

प्रशंसकों और आलोचकों ने समान रूप से *द गोल्ड रश* को पसंद किया. "चैपलिन बेहद प्रतिभाशाली है!" एक समीक्षक ने न्यूयॉर्क हेराल्ड ट्रिब्यून में लिखा.



लिटा ग्रे

जबकि चार्ली का फ़िल्मी जीवन फल-फूल रहा था, उसका गृहस्थ जीवन ढह रहा था. अब वो दूसरे तलाक से गुजर रहा था. हालाँकि अपनी पत्नी लीरा ग्रे के साथ उसके दो बेटे थे, लेकिन उनकी शादी बहुत दुखी थी.

चार्ली अपने काम पर इतना केंद्रित रहता था कि उसके पास अपने परिवार के लिए बहुत कम समय बचता था. घर में अकेले फंसे रहने से लिटा गुस्से में थी—और उसने पत्रकारों को इसकी जानकारी भी दी. 1927 में चैपलिन का तलाक सुर्खियों में छा गया था. चार्ली का निजी जीवन बिल्कुल भी निजी नहीं था. बाद में, उसके चरित्र पर हमलों ने उसे काफी परेशान किया.

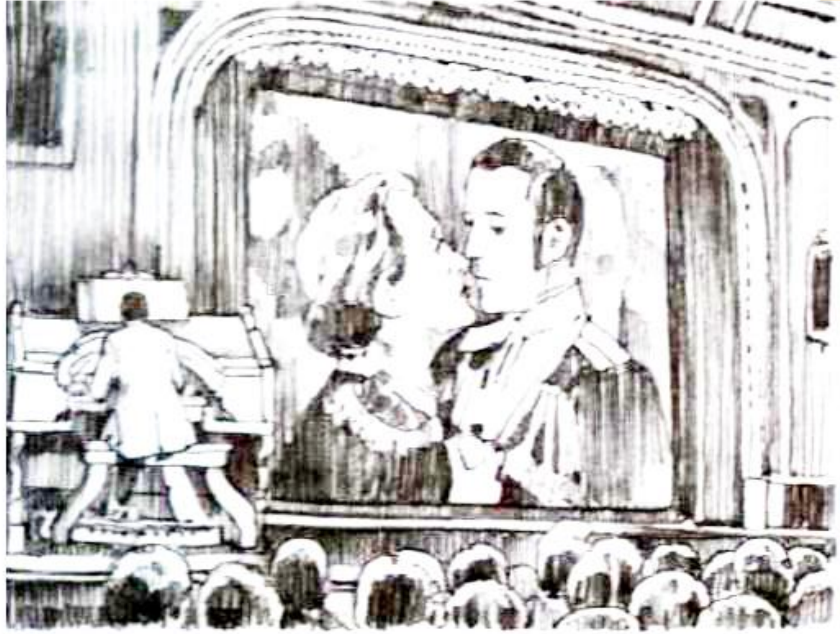
तलाक के दौरान चार्ली *द सर्कस* (1928) का फिल्मांकन कर रहा था. यह उसकी तीसरी कृति थी. ट्रम्प अपनी पीठ पर बंदरों के साथ एक उच्च तार पर चलता है. ऊंचे तार की तंग चालें चार्ली के वास्तविक जीवन को दर्शाती थीं.

अध्याय 9

ट्रैम्प बाहर निकलता है

1920 के दशक के अंत में, मूक फिल्मों की दुनिया पूरी तरह उलट गई. अब फ़िल्में रिकॉर्डेड साउंड के साथ बन सकती थीं. ध्वनि वाली फिल्में जल्द ही सभी को भाने लगीं. दर्शकों ने पहली बार स्क्रीन स्टार्स की असली आवाजें सुनीं. दुर्भाग्य से, कुछ के उच्च उच्चारण या पतली, कर्कश आवाजें थीं. उनका करियर चौपट हो गया.

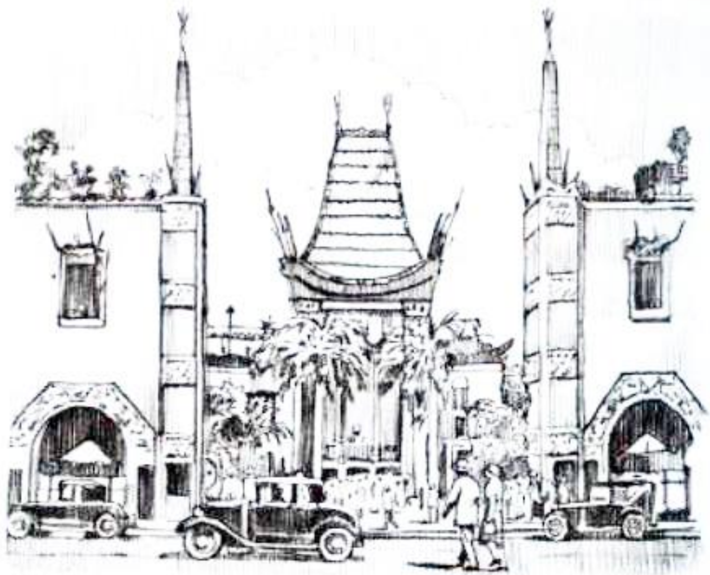
चार्ली क्या करेगा? वह जानता था कि जैसे ही वो एक भी शब्द बोलेगा, लिटिल ट्रैम्प का जादू खो जाएगा. इसलिए, चार्ली ने इस प्रवृत्ति को कम करने का फैसला किया. 1928 में, उसने एक और मूक फिल्म, *सिटी लाइट्स* (1931) पर काम किया. दर्शक अभी भी ट्रैम्प की आवाज़ नहीं सुन सकते थे. लेकिन वे उसकी हिचकी सुनते हैं! एक प्रफुल्लित करने वाले दृश्य में, ट्रम्प एक सीटी निगलता है और जब वो हिचकी लेता है तो फिर सीटी की आवाज़ आती है!



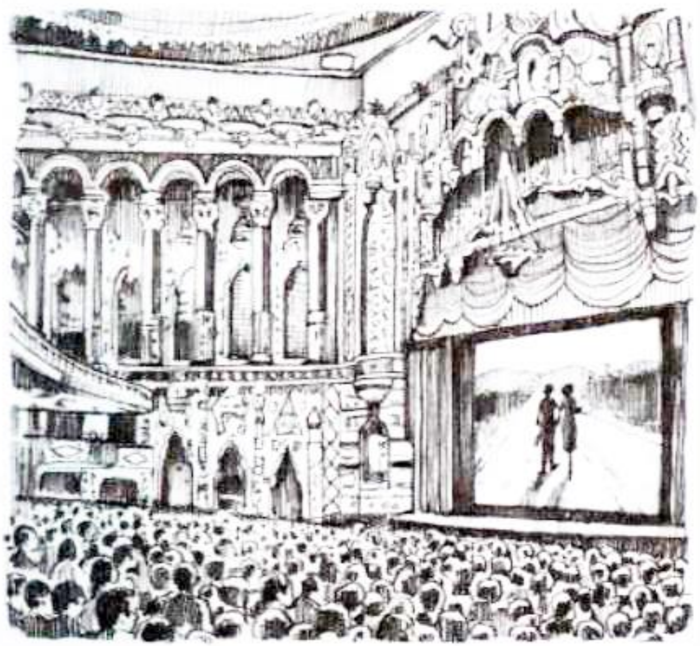
फिर जल्द ही मूक फिल्मों के लिए पृष्ठभूमि संगीत स्थानीय फिल्म घरों में पियानो वादकों और आयोजकों द्वारा दिया जाने लगा. अब चार्ली खुद संगीत रच सकता था. उसने अपने गाने खुद लिखना शुरू किए! शायद उसे यह प्रतिभा अपने पिता से विरासत में मिली थी. चार्ली ने कभी संगीत पढ़ना नहीं सीखा था, इसलिए वो सिर्फ धुन गुनगुनाता था और नोट्स कोई लिख देता था. "फिर चार्ली की क्रेडिट की लंबी सूची में संगीतकार" भी जोड़ा गया.

मूवी थियेटर

1920 के दशक में मूवी थिएटर फैंसी महल बन गए. सस्ते "निकलोडियन" के स्थान पर संगमरमर के स्तंभों, भव्य लकड़ी के दरवाज़े और कालीनों वाले महंगे थिएटर बन गए. कुछ को बनाने में लाखों की लागत आई. 1930 के दशक तक, थिएटरों ने जलपान की बिक्री होने लगी. उसके बाद पॉपकॉर्न की महक फिल्मों के साथ जुड़ गई.



ग्रूमन का चीनी थिएटर, लॉस एंजिल्स



डेट्रॉइट में फॉक्स थियेटर के अंदर

सबसे बड़ा बदलाव तब आया जब "टॉकीज" का आगमन हुआ. मूक फिल्म युग के पियानो और ऑर्गन वादकों और आयोजकों ने अपनी नौकरी खो दी. उनके स्थान पर विशाल स्पीकर और नए ध्वनि उपकरण लगाए गए.

सिटी लाइट्स 1931 में खुली. क्या फिल्म देखने वाले अब भी एक मूक फिल्म का टिकट खरीदेंगे? चार्ली के कहा, हाँ! फिल्म एक और ब्लॉकबस्टर बन गई.

सिटी लाइट्स को बनाने में चार्ली को तीन साल लगे थे. अब एक ब्रेक का समय था - एक अच्छा लंबा. चार्ली ने सोलह महीने के लिए हॉलीवुड छोड़ दिया और वो यूरोप और एशिया घूमने निकला. यात्रा के दौरान, उनकी मुलाकात विंस्टन चर्चिल, महात्मा गांधी, एच.जी. वेल्स और जॉर्ज बर्नार्ड शॉ जैसे महापुरुषों से हुई. वो एक बहुत अधिक निजी पड़ाव पर भी रुका.



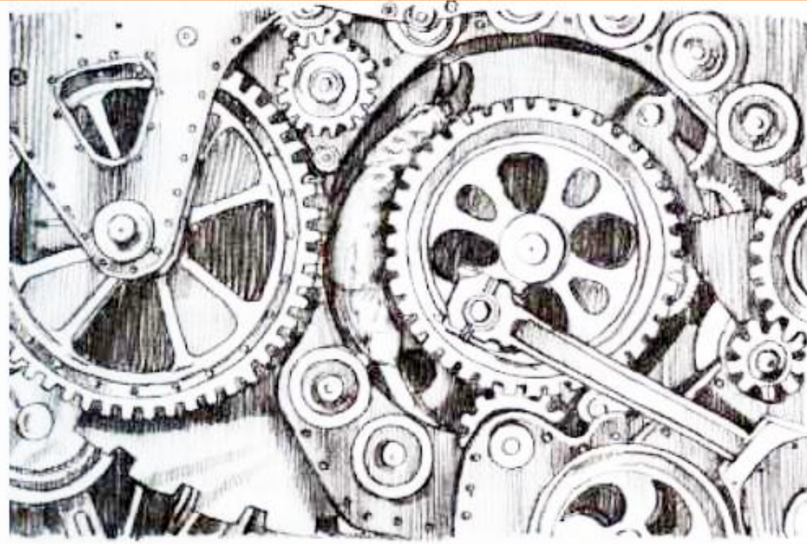


एक दिन लंदन में, वह खुद खिसक लिया और अपने पुराने स्कूल हैनवेल चला गया. पुराना ईंट स्कूल वैसा ही दिखता था, जब वह सात साल की उम्र में वहां गया था. चार्ली एक सरप्राइज विजिट के लिए अंदर आया. भोजन कक्ष में चार सौ लड़के उसे पहचानते ही पागल हो गए. चार्ली अपनी टोपी की नोक को छुआ और वो उसके सिर पर जादू की तरह उछल गई. उसने अपने पैर बाहर निकाले और अपना प्रसिद्ध ट्रैम्प वॉक किया. लड़के खुशी से झूम उठे और चिल्लाने लगे. चार्ली उनमें से ही एक था. उसने यह साबित कर दिया कि गरीबी किसी को पीछे नहीं रख सकती है.

उस रात अपने होटल के कमरे में जाकर चार्ली रोया. उसके बचपन की यादें ताजा हो गईं थीं. उसने लेखक थॉमस बर्क को बताया कि यह यात्रा "उसके जीवन का सबसे बड़ा भावनात्मक अनुभव था."

जब चार्ली अपनी यात्रा से लौटा, तो देश में महामंदी छा रही थी. लाखों लोगों ने अपना रोजगार खो दिया या कम मजदूरी के लिए नौकरियों करने को मज़बूर थे. चार्ली को उनके लिए गहरी सहानुभूति महसूस हुई. उसने एक संदेश के साथ एक कॉमेडी बनाने का फैसला किया. एक बार फिर उसने फिर एक मूक फिल्म बनाने की हिम्मत की. लेकिन यह उसकी आखिरी फिल्म होगी.

मॉडर्न टाइम्स (1936) में ट्रैम्प को एक फैक्ट्री की असेंबली लाइन पर काम करते हुए दिखाया गया. लंदन में एक युवा लड़के के रूप में, चार्ली ने एक प्रिंटर के लिए काम किया था. प्लांट के अंदर एक विशाल प्रिंटिंग प्रेस दिखाया गया था. बड़ी मशीन को चलते हुए देखकर चार्ली डर गया. "मैंने सोचा कि वो मुझे खा जाएगी," उसने कहा. मॉडर्न टाइम्स में, चार्ली इस स्मृति को लोगों हंसी के लिए दिखाता है. एक राक्षस मशीन के दांत ट्रैम्प को पकड़ लेते हैं और गियर उसे चबाते हैं.



प्रफुल्लित करने वाले दृश्य में एक गंभीर संदेश भी था. चैपलिन को चिंता थी कि कारखाने के कर्मचारियों के साथ कभी-कभी मशीन के पुर्जों की तरह व्यवहार किया जाता है, इंसानों की तरह नहीं.

फिल्म के अंतिम दृश्य में, ट्रैम्प और उसकी प्रेमिका ने अपना सब कुछ खो दिया है. लेकिन ट्रैम्प उसे खुश करने और उसे हंसाने की कोशिश करता है. फिर जोड़ी हाथ-में-हाथ डाले कही दूर चली जाती है.

उसके साथ ही लिटिल ट्रैम्प फिल्म की दुनिया से गायब हो जाता है.

चार्ली का सबसे लोकप्रिय गीत

चार्ली ने *मॉडर्न टाइम्स* के थीम गीत के लिए एक दिल को छूने वाली धुन की रचना की. वर्षों बाद, जॉन टर्नर और जेफ्री पार्सन्स ने उसमें शब्द जोड़े. यह "स्माइल" नामक एक हिट गीत बन गया. गीत के शब्द लिटिल ट्रैम्प की सकारात्मक, जीतने की भावना को पकड़ा था : "मुस्कुराओ हालांकि तुम्हारा दिल दर्द कर रहा हो. भले ही दिल टूट रहा हो फिर भी मुस्कुराओ." कई महान गायकों ने "स्माइल" रिकॉर्ड किया है, जिसमें नेट किंग कोल, माइकल जैक्सन और बारबरा स्ट्रीसंड शामिल हैं.



अध्याय 10

निर्वासन (एक्सआईल)

1939 में द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ गया जब जर्मन तानाशाह एडोल्फ हिटलर ने पोलैंड पर आक्रमण शुरू किया. हिटलर और चार्ली सिर्फ चार दिन बड़े-छोटे थे. दोनों आदमी कुछ हद तक देखने में भी एक-जैसे थे. कुछ लोगों के अनुसार हिटलर ने अपनी मूंछों का डिज़ाइन इसलिए चुना क्योंकि वो लिटिल ट्रैम्प की तरह लोकप्रिय होना चाहता था.

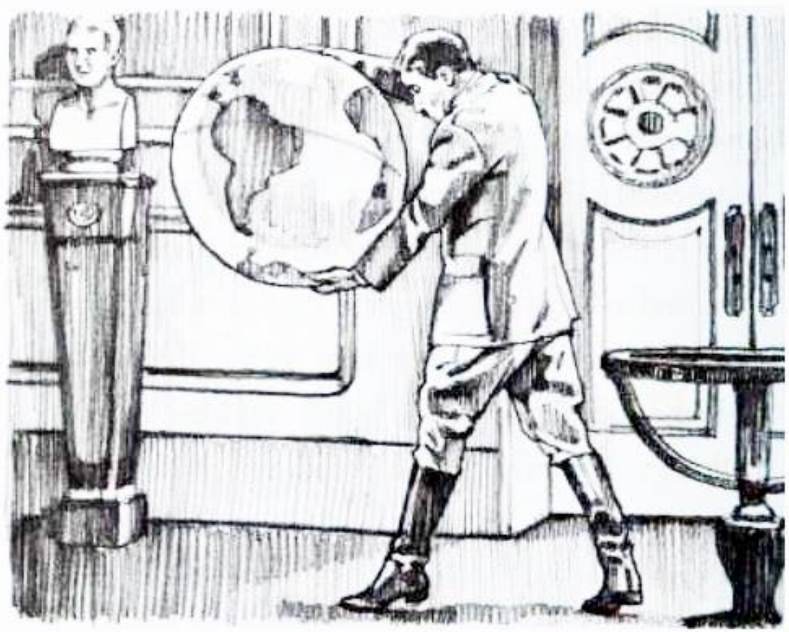


एडॉल्फ हिटलर

हालाँकि, हिटलर ने यह बात स्पष्ट की थी कि वो चैपलिन से नफरत करता था. हिटलर ने सोचा था कि चैपलिन यहूदी था, और हिटलर सभी यहूदियों से नफरत करता था. "मेरे पास सम्मान नहीं है," चार्ली ने कहा.

1939 में, चार्ली ने भयानक तानाशाह का उपहास उड़ाने के लिए एक फिल्म शुरू की. *द ग्रेट डिक्टेटर* (1940) उनकी पहली बोलती हुई फिल्म थी. चार्ली ने फिल्म में दो भूमिकाएँ निभाईं. एक थी हिटलर जैसा तानाशाह एडीनॉयड हिंकेल की. और दूसरी भूमिका एक शांत और प्रतिष्ठित यहूदी नाई की थी.

चार्ली ने दिखाया कि हिटलर वास्तव में कैसा था - एक शेख़ी मारने वाला, बड़बड़, सत्ता का भूखा और पागल. एक प्रसिद्ध दृश्य में, तानाशाह एक गुब्बारे के ग्लोब के साथ नृत्य करता है. वह एक हर्षित बैले में छलांग लगाता है और रोता है. फिर उसके चेहरे पर ग्लोब का गुब्बारा फट जाता है.



जर्मनी को छोड़कर, *ग्रेट डिक्टेटर* एक बड़ी सफलता बनी. हिटलर उस फिल्म को दिखाने नहीं दिया. न्यू यॉर्क हेराल्ड ट्रिब्यून के एक आलोचक ने लिखा, "कि वो फिल्म पागल हो गई दुनिया पर एक सटीक कॉमिक कमेंट्री थी." चार्ली ने यूरोप में युद्ध शुरू होने के ठीक एक सप्ताह बाद फिल्म शुरू की थी. उन्होंने बाद में कहा कि अगर वो इस फिल्म को नहीं बनाते तो फिर वो आने वाले युद्ध की भयावहता को नहीं जान पाते.

फिल्म की सफलता के बावजूद, चार्ली के लिए 1940 का दशक बहुत कठिन वर्ष था. उनकी पहली बॉक्स ऑफिस फिल्म फ्लॉप हुई. वो एक मर्डर मिस्ट्री थी जिसका नाम *मॉन्सियोर वर्दौक्स* (1947) था. लेकिन इससे भी बदतर, चार्ली को अमेरिका से बाहर निकालने की बातें शुरू हो गईं. लोगों को उन पर कम्युनिस्ट होने का शक था.

द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद, अमेरिका और सोवियत संघ के बीच भारी तनाव था. वे दोनों महाशक्तियां थीं - एकमात्र राष्ट्र जो परमाणु बम गिराने में सक्षम थे.



हालांकि उस काल में कोई वास्तविक लड़ाई नहीं लड़ी गई, इस अवधि को शीत युद्ध के रूप में जाना जाने लगा. सोवियत संघ एक साम्यवादी राष्ट्र था. वहां केवल एक राजनीतिक दल था, और वहां पर लोगों को अपने नेताओं के अधीन कोई स्वतंत्रता नहीं थी.

अमेरिका में, दहशत फैल गई कि कम्युनिस्ट सत्ता हासिल करने के लिए देश के भीतर गुप्त रूप से काम कर रहे थे. अमेरिकी सरकार ने "गैर-अमेरिकी गतिविधियों" पर संदेह वाले किसी भी व्यक्ति पर कार्यवाही की. (इसका मतलब था एक कम्युनिस्ट होना.) सुनवाई एक "विच हंट" बन गई. लोगों ने अपनी नौकरी खो दी और उन्हें अन्य कोई काम मिलना असंभव हो गया. हॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के लोग अक्सर इसका शिकार होते थे.



लेकिन चार्ली चैपलिन को निशाना क्यों बनाया गया? कई लोगों ने सोचा कि उनके राजनीतिक विचार बहुत रेडिकल (कट्टरपंथी) थे. साथ ही, वह कभी भी अमेरिकी नागरिक नहीं बनना चाहते थे. जब पूछा गया कि क्यों, तो उन्होंने उत्तर दिया, "मैं दुनिया का नागरिक हूं." चार्ली इस समय तक तीन तलाक से गुजर चुके थे. प्रत्येक को प्रेस ने दुनिया के सामने घसीटा था. इससे चार्ली की छवि भी खराब हुई थी.

चार्ली ने दृढ़ता से कहा कि वह कम्युनिस्ट नहीं थे. हालांकि एफबीआई ने चैपलिन पर दो हजार से अधिक पृष्ठों की एक फाइल जमा की, लेकिन उसके खिलाफ उन्हें कुछ भी सबूत नहीं मिला.

इस सारी उथल-पुथल के बीच, चार्ली को ओना ओ'नील से प्यार हो गया. वो प्रसिद्ध नाटककार यूजीन ओ'नील की बेटी थीं. वो एक बुद्धिमान, सुंदर महिला थीं. और उन्हें भी चार्ली को प्यार हो गया. उन्होंने जून 1943 में शादी की. तीन असफल विवाहों के बाद, चार्ली को आखिरकार लंबा और स्थायी प्यार मिला. समय के साथ, उनके आठ बच्चे हुए.



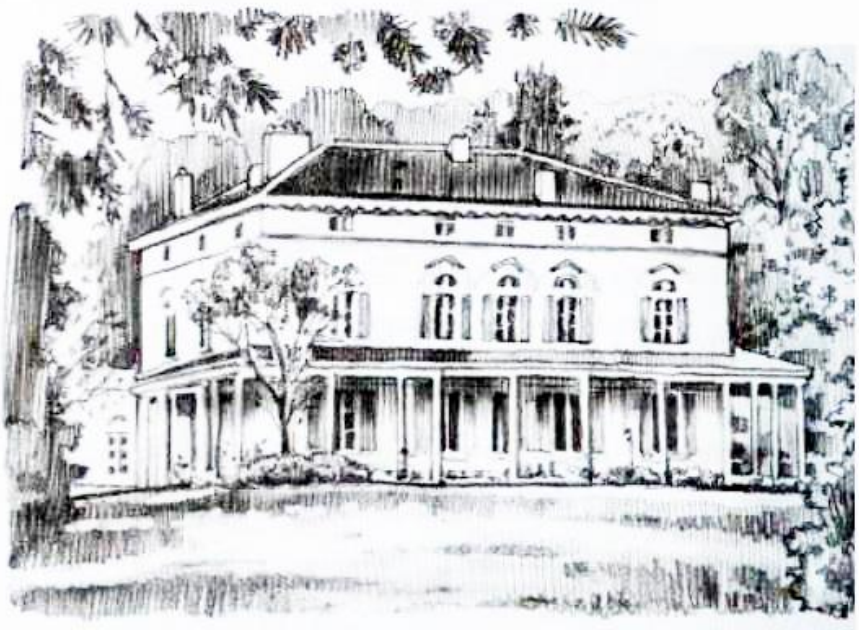
ओना ओ'नील अपने पिता
यूजीन ओ'नीलो के साथ



1952 में, चार्ली ओना अपने बच्चों के साथ यूरोप के लिए रवाना हुए. वे चार्ली की तीसरी टॉकी फिल्म, *लाइमलाइट* (1952) के उद्घाटन के लिए लंदन जा रहे थे. (अधिकांश अमेरिकी थिएटर मालिकों ने फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया था.)

समुद्र में दो दिनों के बाद, चार्ली को अमेरिकी सरकार से यह संदेश मिला कि वो देश में तब तक फिर से प्रवेश नहीं कर सकते थे जब तक कि वो खुद को एक वफादार नागरिक साबित नहीं करते. चार्ली को बहुत गुस्सा आया. उनका गोद लिया हुआ देश ही उन पर धावा बोल रहा था. फिर उन्होंने स्थाई तौर पर अमरीका छोड़ने का फैसला किया.

चैप्लिन यूरोप में कुछ समय के लिए घूमें, और लग्जरी होटलों में ठहरे. फिर 1952 में चार्ली और ओना ने स्विट्जरलैंड में एक खूबसूरत एस्टेट खरीदी. वहां से स्विस आल्प्स और जगमगाती जिनेवा झील के व्यापक दृश्य दिखते थे. चार्ली ने अपने आखिरी पच्चीस साल खुशी-खुशी वहीं बिताए.



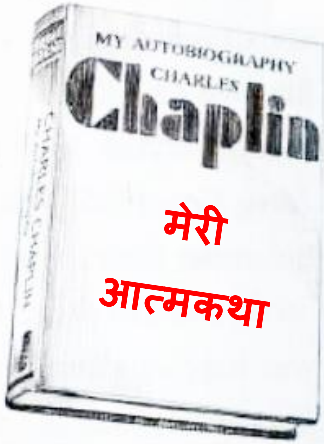
परिवार भव्य शैली में रहता था. 1700 के दशक में बनी उन्नीस कमरों की हवेली की देखभाल के लिए नौकरों की बड़ी फौज थी. पैंतीस-एकड़ की संपत्ति में रख-रखाव वाले नौकर और माली शामिल थे.

स्विट्ज़रलैंड में चार्ली व्यस्त रहे. उन्होंने अपनी कई मूक फिल्मों के लिए मूल संगीत लिखा. वो शायद अकेले ऐसे इंसान थे जिन्होंने अपनी फिल्मों के लिए संगीत लिखने, अभिनय करने, निर्देशन करने, कास्ट करने, निर्माण करने और संगीत तैयार करने वाला एकमात्र फिल्म निर्माता बनाया था. उन्होंने अपनी पिछली दो फिल्में *ए किंग इन न्यूयॉर्क* (1957) और *ए काउंटेस फ्रॉम हॉन्ग कॉन्ग* (1967) भी बनाईं. कोई भी उनकी पिछली फिल्मों की तरह लोकप्रिय नहीं हुई.

जीवन के इस अंतिम पड़ाव पर चार्ली का पारिवारिक जीवन पहले से कहीं ज्यादा खुशहाल था. उनके सबसे छोटे बेटे का जन्म तब हुआ जब चार्ली तिहत्तर वर्ष के थे. उनके बड़े बेटे, चार्ल्स जूनियर और भाई सिडनी भी मिलने आए. चार्ली को अपनी पुरानी फिल्मों को, अपने बच्चों के साथ हवेली के बड़े व्यूइंग रूम में साझा करना पसंद था. चार्ली से ज्यादा जोर से कोई नहीं हंसा.

अध्याय 11

अंतिम सलाम



स्विस पहाड़ियों में सैर करते समय चार्ली ने अपने लंबे और पूर्ण जीवन के बारे में सोचा. 1964 में, उन्होंने वो सब कुछ कागज पर लिखा: "वर्कहाउस" के दर्दनाक दिनों से लेकर चैपलिन के गौरव के दिनों तक. उस बिना शब्द वाले स्टार ने पांच सौ पेज लिखे. उस पुस्तक का कई भाषाओं में अनुवाद हुआ और दुनिया वो भर में बेस्टसेलर बनी.

अब चार्ली के घुंघराले बाल एकदम सफेद हो गए थे. वह स्विमिंग और टेनिस खेलकर फिट रहते थे. वो अपने बच्चों के साथ सामने के लॉन में फुटबॉल खेलते थे. अंत में, सत्तर के दशक में, उनका सुंदर शरीर टूटने लगा. एक बेंत, जो उसका पुराना प्रसिद्ध सहारा था, अब चलने में उनकी मदद करता था.

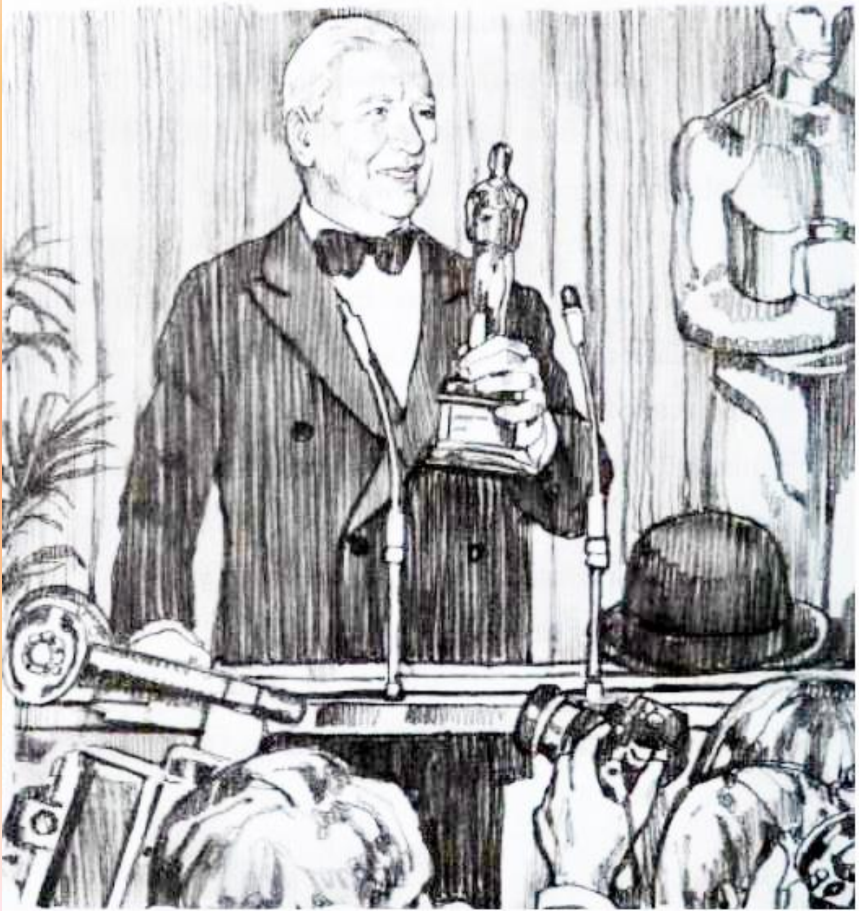
इस समय तक, अमेरिका में चार्ली के प्रति भावनाएँ नरम हो चुकी थीं. संदिग्ध कम्युनिस्टों का पुराना डर फीका पड़ चुका था. फिल्म इतिहासकार चार्ली की फिल्मों में अग्रणी भूमिका की प्रशंसा कर रहे थे. उन्हें एहसास हुआ कि चार्ली की कॉमेडी हर काल के लिए उपयुक्त थीं. "फिल्म इतिहास में सबसे महान अभिनेता कौन था?" 1995 के एक सर्वेक्षण ने फिल्म समीक्षकों से पूछा. उन्होंने चार्ली चैपलिन को नंबर एक वोट दिया.

1972 में, उन्हें एक विशेष अकादमी पुरस्कार दिया गया. उन्होंने "मोशन पिक्चर्स को उस सदी में कला का रूप दिया था" वो उनका महान रोल था.

अपना विशेष ऑस्कर प्राप्त करने के लिए चार्ली ने अमेरिका के लिए उड़ान भरी. बीस वर्षों में वो पहली बार अमेरिका गए थे. *द किड* की स्क्रीनिंग के लिए उनका पहला पड़ाव न्यूयॉर्क सिटी था.

फिर वो हॉलीवुड भी गए. जब उन्होंने *द किड* के अपने युवा साथी जैकी कूगन को देखा, तो चार्ली फूट-फूट कर रो पड़े. मूक फिल्म में अच्छे पुराने दिनों की यादें तरोताजा हो गईं.

चार्ली इस बात से घबराए थे कि ऑस्कर पुरुस्कारों के दौरान अब दर्शकों की क्या प्रतिक्रिया होगी. लेकिन उसका डर जल्द ही दूर हो गया. जब चार्ली मंच पर आए, तो दर्शकों ने खड़े होकर बारह मिनट तक ताली बजाई. "ओह, आप अद्भुत, प्यारे लोग हैं," उन्होंने दर्शकों से कहा. चार्ली के चेहरे से आंसू बह रहे थे.



1975 में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने इंग्लैंड के पैतृक बेटे को नाइट की उपाधि दी. एक छोटी सी गली का लड़का अब सर चार्ली चैपलिन था.

दो साल बाद, क्रिसमस के दिन, चैपलिन की स्विट्जरलैंड में घर पर ही मृत्यु हो गई. वो अपनी प्यारी ओना और बच्चों से घिरे हुए थे. यह एक उल्लेखनीय जीवन का अंतिम दृश्य था. वो अट्ठासी साल के थे.

वर्ष 2016 चार्ली की एक सौवीं वर्षगांठ को स्टारडम में आश्चर्यजनक वृद्धि के रूप में मनाई गई. वर्षगांठ का सम्मान करने के लिए, चार्ली और ओना की स्विस हवेली में एक चैपलिन संग्रहालय खोला गया.

हर तरफ से चार्ली की तारीफ हो रही है. लेकिन चार्ली ने खुद एक बार कहा था, "मैं बस एक छोटा सा निकेल कॉमेडियन हूं जो लोगों को हंसाने की कोशिश कर रहा हूँ ."

चार्ली चैपलिन के जीवन की समय-रेखा

1889 चार्ल्स स्पेंसर चैपलिन का जन्म 16 अप्रैल को लंदन में हुआ था
1896 अनाथों और निराश्रित बच्चों के लिए हैनवेल स्कूल में भेजा गया
1901 उनके पिता, चार्ल्स चैपलिन सीनियर, अड़तीस साल की उम्र में शराब के सेवन से मर गए
1903 शर्लक होम्स में प्रदर्शन
1908 शोमैन फ्रेड कार्नो ने चार्ली को उनके पैंटोमाइम कॉमेडी अभिनय के लिए काम पर रखा
1913 कीस्टोन स्टूडियो के साथ संकेत
1914 ने लिटिल ट्रैम्प चरित्र का आविष्कार किया
1915 एस्सने फिल्म निर्माण कंपनी के लिए ट्रैम्प का काम शुरू किया
1918 *शोल्डर आर्म्स* एक स्मैश हिट बनी
1921 *द किड* उनकी पहली फीचर फिल्म थी, जिसे समीक्षा के लिए रिलीज किया गया था
1924 *द गोल्ड रश* (1925) पर शूटिंग शुरू हुई
1931 *सिटी लाइट्स* का विश्व प्रीमियर
1936 *मॉडर्न टाइम्स*, एक कारखाने में मॉस प्रोडक्शन लाइन के बारे में
1940 *द ग्रेट डिक्टेटर*, एक द्वितीय महायुद्ध पर व्यंग्य
1943 ओना ओ'नील से शादी; उनके आठ बच्चे हुए
1952 उनका अमरीकी वीजा रद्द कर दिया गया
1952 परिवार को स्विट्ज़रलैंड ले गए
1972 एक विशेष अकादमी पुरस्कार प्राप्त किया
1975 महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने चार्ली को "सर" की उपाधि से सम्मानित किया
1977 क्रिसमस के दिन, अट्ठासी वर्ष की आयु में घर पर मृत्यु हो गई

विश्व की समय-रेखा

1900 - एस्केप कलाकार हैरी हौदिनी ने पहली बार लंदन के संगीत हॉल में प्रदर्शन किया

1911 - हॉलीवुड, कैलिफोर्निया में कई फिल्म स्टूडियो खुले

1913 - हेनरी फोर्ड ने फोर्ड कारों के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए पहली चलती असेंबली लाइन स्थापित की

1917 - अमेरिका ने प्रथम विश्व युद्ध में प्रवेश किया (1914-1918)

1927 - जैज़ सिंगर ने "टॉकिंग पिक्चर्स" के नए युग की शुरुआत की

1929 - हॉलीवुड में पहला अकादमी पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया

1930 - इंग्लैंड ने गरीबों के लिए सहायता कार्यक्रमों के लिए "वर्कहाउस" स्थापित किए

1932 - वॉल्ट डिज़्नी ने अपनी पहली रंगीन फिल्म बनाई, एक छोटी कार्टून जिसका नाम "फ्लावर्स एंड ट्रीज" था

1941 - पर्ल हार्बर पर जापानी बमबारी के बाद अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध (1939-1945) में प्रवेश किया

1950 - कोरियाई युद्ध तब शुरू हुआ जब कम्युनिस्ट उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर आक्रमण किया

1952 - राजकुमारी एलिजाबेथ को इंग्लैंड की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का ताज पहनाया गया

1954 - सीनेटर जोसेफ मैकार्थी ने कम्युनिस्ट होने के आरोप में अमेरिकी नागरिकों की जांच के लिए सार्वजनिक सुनवाई की

1961 - डिज़्नी की फ़िल्म "101 दलमशंस" एक प्रमुख हिट फिल्म बनी

1963 - मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने मार्च में वाशिंगटन फॉर जॉब्स एंड फ्रीडम पर अपना प्रसिद्ध "आई हैव ए ड्रीम" भाषण दिया.

1974 - रिचर्ड निक्सन ने अमेरिका के राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया